राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 23 अगस्त 2023 वर्ष-6, अंक-212 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देसी देसी ना बोल्या कर... जैसे हिट गाने देने वाले हरियाणवी सिंगर का निधन

रोहतक। हरियाणा के सिंगर राजू पंजाबी का सोमवार रात को निधन हो गया है। बताया जा रहा है कि पिछले दस दिनों से हिसार के एक निजी अस्पताल में भर्ती थे। राजू पंजाबी मौजूदा समय में हिसार के आजाद नगर में रहते थे। राजू पंजाबी इलाज के दौरान वे ठीक होकर घर चले गए थे। लेकिन उनकी अचानक तबीयत फिर से खराब हो गई। इसके बाद उन्हें दोबारा अस्पताल में दाखिल करवाया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली।

ये दिए थे मशहूर गाने

राजू पंजाबी ने देसी-देसी, सॉलिड बॉडी, तू चीज लाजवाब, सैंडल जैसे मशहूर गाने हरियाणा की म्यूजिक इंडस्ट्री देकर एक नई पहचान बनाई। वहीं, राजू पंजाबी ने हरियाणवी गानों को नई दिशा दी। सपना चौधरी के साथ उनकी जोड़ी काफी मशहूर मानी जाती थी। राजू पंजाबी का अंतिम गाना 12 अगस्त को रिलीज हुआ। जिसके बोल- आपसे मिलके यारा हमको अच्छा लगा था हैं।

रावतसर खेड़ा गांव किया जाएगा अंतिम संस्कार

मंगलवार की सुबह उनके शव को उनके पैतृक राजस्थान के जिला हनुमानगढ़ के गांव रावतसर खेड़ा में ले जाया गया है। जहां अंतिम संस्कार किया जाएगा। राजू पंजाबी ने हिसार के आजाद नगर में एक मकान किराए पर लिया हुआ था। जिसमें बीच बीच में ठहरते थे। राजू पंजाबी की मौत की खबर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कुछ लोग उनके किराए के मकान पर पहुंचे। उनके शव को यहां नहीं लाया गया। अस्पताल से सीधे राजस्थान के लिए रवाना कर दिया गया। राजू पंजाबी 3 बेटियों के पिता हैं। उनका परिवार राजस्थान में ही रहता है।

पांच सूत्री एजेंडे पर मल्लिकार्जुन खड़गे की अगुवाई में कांग्रेस, नई सीडब्ल्यूसी दे रही चुनाव से पहले नए संकेत

कांग्रेस ने उदयपुर अधिवेशन के दौरान, जहां खड़गे की अध्यक्षता को मंजूरी दी गई थी, अपने शीर्ष निकाय सीडब्ल्यूसी सहित पार्टी के सभी स्तरों पर युवाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का वादा किया था।

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अभी हाल ही में नई कांग्रेस कार्य समिति का गठन किया है। इसमें उन्होंने सदस्यों की संख्या भी बढ़ा दी है और उसका आकार 84 सदस्यों वाला कर दिया है। समिति में मनमोहन सिंह से लेकर सोनिया गांधी, राहुल गांधी, कन्हैया कुमार, गौरव गोगोई तक के नाम शामिल हैं। सीडब्ल्यूसी सदस्यों की औसत उम्र 61 साल है। समिति में सबसे बुजुर्ग सदस्य के तौर पर 90 वर्षीय मनमोहन सिंह हैं। खड़गे खुद 81 साल के हैं। समिति में सबसे कम उम्र के 31 वर्षीय नीरज कुंदन हैं, जो पार्टी की छात्र शाखा, नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष के रूप में निकाय के पदेन सदस्य हैं।

66 फीसदी सदस्य पांच कैटगरी से

बुजुर्गों से लेकर युवाओं तक की इस टीम में खड़गे ने समाज के सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व दिया है। इसमें 66 फीसदी सदस्य SC, ST, OBC, अल्पसंख्यक और महिला कैटगरी से आते हैं। हालांकि, कांग्रेस अपने उदयपुर घोषणापत्र में 50 वर्ष से कम आयु के 50 प्रतिशत लोगों को शामिल करने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रही है, लेकिन अपने रायपुर पूर्ण सत्र के दौरान किए गए वादे के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों और महिलाओं के लिए 66.6 प्रतिशत आरक्षण बनाए रखा है। सीडब्ल्यूसी कांग्रेस के अंदर किसी भी विषय पर फैसला लेने वाली सर्वोच्च समिति है। नई समिति का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि इसमें अनुसूचित जाति के 12, अनुसूचित जनजाति के 4, ओबीसी के 16,

अल्पसंख्यकों के 9 और 15 महिलाओं के अलावा 43 सामान्य वर्ग के लोग शामिल हैं।

सीडब्ल्यूसी सदस्यों की औसत उम्र 61 साल-पार्टी नेताओं का दावा है कि प्रियंका गांधी वाड्रा, सचिन पायलट, दीपेंद्र हुड्डा, मीनाक्षी नटराजन, प्रणीति शिंदे, सुप्रिया श्रीनेत, बी वी श्रीनिवास, अलका लांबा, फूलो देवी नेताम और गुरदीप सप्पल जैसे 50 साल की उम्र के आसपास वाले 21 'युवा' कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य हैं। हालाँकि, सभी 39 नियमित सदस्यों की आयु के विस्तृत विश्लेषण से पता चलता है कि औसत आयु लगभग 61 वर्ष है। नेताओं का कहना है कि यह पूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री एके एंटनी, अंबिका सोनी और अन्य पुराने नेताओं की वजह से है। इन नेताओं को उनके विशाल राजनीतिक अनुभव को ध्यान में रखते हुए समिति में समायोजित किया गया है।

नियमित सदस्यों में 90 साल के सिंह सबसे बड़े हैं, जबकि लोकसभा में पार्टी के उपनेता और असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के बेटे गौरव गोगोई 40 साल की उम्र वाले सबसे छोटे सदस्य हैं। सीडब्ल्यूसी में स्थायी आमंत्रित सदस्यों में 36 वर्षीय कन्हैया कुमार को भी शामिल किया गया है क्योंकि वह एनएसयूआई के प्रभारी हैं।

उदयपुर अधिवेशन का संकल्प लागू-कांग्रेस ने उदयपुर अधिवेशन के दौरान, जहां मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता को मंजूरी दी गई थी, अपने शीर्ष निकाय सीडब्ल्यूसी सहित पार्टी के सभी स्तरों पर युवाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का वादा किया था। साथ ही, एससी/एसटी/ओबीसी/अल्पसंख्यक और महिलाओं के लिए विस्तारित सीडब्ल्यूसी में 50 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया गया था। यही कांग्रेस का पांच सूत्री एजेंडा है, जो उसके लिए आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों में मददगार बन सकता है।

सीडब्ल्यूसी निकाय में 14 प्रतिशत एससी, पांच प्रतिशत एसटी, 19 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग, 11 प्रतिशत अल्पसंख्यक और 18 प्रतिशत महिलाएं हैं, जिसमें स्थायी सदस्य, विशेष आमंत्रित सदस्य और विभिन्न राज्यों के प्रभारी और प्रमुख के तौर पर शामिल किए गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका रवाना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए सुबह दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर रवाना हुए। वो दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के निमंत्रण पर 22 से 24 अगस्त तक जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। वर्ष 2019 के बाद पहली बार ब्रिक्स देशों ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के नेता एक मंच पर दिखाई देंगे। कोरोना महामारी और उसके बाद के वैश्विक प्रतिबंधों के उभरने के बाद व्यक्तिगत रूप से आयोजित होने वाला यह पहला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन होगा। जोहानिसबर्ग में उनकी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात हो सकती है। सम्मेलन के बाद अफ्रीका आउटरीच और ब्रिक्स प्लस डायलॉग का आयोजन होगा। इसमें दक्षिण अफ्रीका की ओर से आमंत्रित अन्य देश शामिल होंगे। प्रधानमंत्री मोदी जोहानिसबर्ग में मौजूद कुछ नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। प्रधानमंत्री 25 अगस्त को ग्रीस का दौरा करेंगे। दो देशों की यात्रा शुरू करने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने बयान में कहा - मैं दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में जोहानिसबर्ग में आयोजित होने वाले 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के निमंत्रण पर 22-24 अगस्त तक दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर रहूंगा। मैं

जोहानिसबर्ग में मौजूद कुछ नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने के लिए भी उत्सुक हूं। ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस के न्योते पर मैं 25 अगस्त को एथेंस की यात्रा करूंगा। इस प्राचीन भूमि की यह मेरी पहली यात्रा होगी। मुझे 40 वर्ष के बाद ग्रीस की यात्रा करने वाला पहला भारतीय प्रधानमंत्री होने का सम्मान प्राप्त हुआ है।

2024 से पहले वोट बैंक साधने में जुटीं ममता बनर्जी ?

बढ़ाया इमामों और पंडितों का भत्ता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईमामों और इंदू पुरोहितों के मासिक भत्ते को बढ़ाने का ऐलान किया है। उन्होंने उनके भत्ते में 500 रुपये प्रति महीने की वृद्धि की है। वहीं ममता ने केंद्र सरकार पर यह भी आरोप लगाया कि फंड ना मिलने की वजह से वह उतना कुछ नहीं कर पा रही हैं जितना करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, हमारी क्षमता सीमित है। इसलिए फिलहाल 500 रुपये बढ़ाने का फैसला किया गया है। बनर्जी ने कहा, जब तक मैं जिंदा हूं और मेरी पार्टी है तब तक सभी समुदायों के लिए काम करती रहूंगी। आप कभी मत सोचिएगा कि मैं भूल गई हूं। वहीं भाजपा ने ममता बनर्जी की सरकार पर आरोप लगाया

है कि पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी पार्टी लोगों को रोजगार नहीं दे पा रही है इसीलिए गुमराह करने के लिए ये सब हथकंडे अपना रही है। भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने कहा, टीएमसी सरकार उद्योगों को लाने और रोजगार देने में विफल रही है। अब ममता बनर्जी ऐसे वादे कर रही हैं जो कि सांप्रदायिक तनाव को जन्म दे सकते हैं। बता दें कि 2021 के आंकड़ों के मुताबिक पश्चिम बंगाल में कुल 10.19 करोड़ लोग हैं। 2011 की जनगणना के मुताबिक यहां हिंदू आबादी 70.54 फीसदी और मुस्लिम आबादी 27.01 फीसदी थी।

इसी महीने की शुरुआत में ममता बनर्जी ने विधानसभा में कहा था कि वह खारेजी मदरसों के इन्फ्रास्ट्रक्चर को सुधारने के लिए जानकारों की एक कमेटी बनाएंगी। ये मदरसे अपना सिलेबस फॉलो करते हैं। इसके अलावा इन्हें मुस्लिम चैरिटी संस्थानों से फंडिंग मिलती है। विपक्षी दलों का कहना है कि लोकसभा चुनाव से पहले मुसलमानों को लुभाने के लिए ये ऐलान किए जा रहे हैं। बीते कई सालों से पश्चिम बंगाल के मुसलमान टीएमसी का समर्थन करते रहे हैं।हालांकि इस बार के पंचायत चुनाव में दो जिलों साउथ 24 परगान और मुर्शिदाबाद में टीएमसी को झटका लगा। यहां हिंसा के बीच बड़ी संख्या में मुस्लिमों ने कांग्रेस और आईएसएफ को वोट किया था।

जम्मू के बाहरी इलाके में मिला आईईडी बीडीएस ने नष्ट किया

जम्मू। जम्मू कश्मीर में बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) ने मंगलवार सुबह शहर के बाहरी इलाके नगरोटा क्षेत्र में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पाए गए एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) को नष्ट कर दिया। पुलिस टीम देर रात नगरोटा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक संदिग्ध वस्तु पड़ी होने की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची। जम्मू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंदन कोहली ने कहा, जम्मू के पंजग्रेन नगरोटा में मिली संदिग्ध वस्तु एक तात्कालिक विस्फोटक उपकरण थी। उन्होंने कहा कि आईईडी को बीडीएस की तकनीकी टीम ने नियंत्रित तंत्र के माध्यम से नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा, कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

नोएडा-गाजियाबाद में गाड़ी वाले सावधान! योगी के आदेश पर खूब कट रहे चालान

नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश के बाद नोएडा, गाजियाबाद समेत पूरे प्रदेश में जाति-संप्रदाय सूचक शब्द लिखे वाहनों के खिलाफ यातायात पुलिस का अभियान जारी है। नोएडा में ऐसे 301 गाड़ियों के चालान किए गए। इसके अलावा काली फिल्म लगी 109 गाड़ियों के भी चालान किए गए। मुख्यमंत्री ने बीते सप्ताह जाति सूचक शब्द लिखी गाड़ियों पर विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसके तहत अब यातायात पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। सोमवार को भी यातायात निरीक्षक की टीमों ने अपने एरिया में अभियान चलाकर कार्रवाई की। डीसीपी यातायात अनिल कुमार यादव ने बताया कि मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत वाहनों पर जाति सूचक, संप्रदाय सूचक शब्द लिखे होने पर 301 वाहनों के चालान किए

● मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश के बाद नोएडा, गाजियाबाद समेत पूरे प्रदेश में जाति-संप्रदाय सूचक शब्द लिखे वाहनों के खिलाफ यातायात पुलिस का अभियान जारी है।

गए। ऐसे वाहनों के तीन दिन में करीब एक हजार वाहनों के चालान किए जा चुके हैं। डीसीपी ने बताया कि 88 लोग बिना ड्राइविंग लाइसेंस के भी गाड़ियां चलाते हुए पकड़े गए। ऐसे में इनके भी चालान किए गए। विपरीत दिशा में चलते हुए पकड़े जाने पर 50 से अधिक वाहनों पर कार्रवाई की गई। गौरतलब है कि मोटर व्हीकल ऐक्ट की धारा 179(1) के तहत एक हजार रुपये का चालान किया जा रहा है। इस धारा के तहत जातिसूचक शब्द के साथ-साथ किसी संप्रदाय के बारे में भी लिखे होने पर भी चालान किया जा सकता है।

26 लोग बिना हेलमेट दोपहिया चलाते पकड़े

जिले में बिना हेलमेट वाहन चलाते 26 वाहन चालकों के सोमवार को चालान किए गए। परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीम ने जांच अभियान चलाकर कार्रवाई की। प्रवर्तन टीम से मिली जानकारी के अनुसार अलग-अलग स्थानों पर जांच अभियान चलाया गया। कई वाहन ऐसे मिले, जिन पर बैठी सवारी ने भी हेलमेट नहीं लगाया था। चालकों को जागरुक भी किया गया।

चंद्रयान-3 चन्द्रमा पर उतरने के लिए तैयार

चेन्नई। भारतीय चन्द्र मिशन चंद्रयान-3 बुधवार को चंद्रमा पर उतरने के लिए तैयार है। चंद्र मिशन, चन्द्रयान 3 सफलतापूर्वक अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है और चंद्रयान लैंडर मॉड्यूल (एलएम) 23 अगस्त की शाम छह बजकर 04 मिनट पर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र पर उतरेगा।

अब तक, मिशन पूरी तरह से अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और सभी की निगाहें अब लैंडिंग पर हैं, जो सफल होने पर, भारत को उन देशों के विशिष्ट समूह में शामिल कर देगा जिनमें अमेरिका, रूस और चीन शामिल हैं। इसरो वैज्ञानिक आधी रात से ही चंद्रयान-3 मिशन पर नज़र रख रहे हैं।

गौरतलब है कि चंद्रयान-3 की लैंडिंग से कुछ ही घंटे पहले इसरो ने एक मील का पत्थर हासिल किया जब ऑर्बिटर ले जाने वाले चंद्रयान-2 ने कल चंद्रयान-3 के लैंडर मॉड्यूल (एलएम) का औपचारिक स्वागत किया।

चंद्रयान-2 ऑर्बिटर चंद्रयान-3 लैंडर के साथ इसरो के लिए बैकअप संचार चैनल होगा।

इसरो ने %एक्स% पर एक पोस्ट में कहा चंद्रयान -3 मिशन आपका स्वागत है दोस्त। सीएच-2 ऑर्बिटर ने औपचारिक रूप से सीएच-3 एलएम का स्वागत किया।%

इसरो ने 2019 में कहा था कि सटीक प्रक्षेपण और कक्षीय युद्धाभ्यास के कारण, चंद्रयान -2 ऑर्बिटर का मिशन जीवन सात साल तक बढ़ गया था। 22 जुलाई, 2019 को प्रक्षेपित किए गए चंद्रयान -2 मिशन में चंद्रमा के अज्ञात दक्षिणी ध्रुव का पता लगाने के लिए एक ऑर्बिटर, लैंडर और रोवर शामिल थे।

चंद्रयान-2 को जुलाई 2019 में लॉन्च किया गया था और रोवर ले जा रहा लैंडर सितंबर 2019 में लैंडिंग साइट के बहुत करीब एक तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे

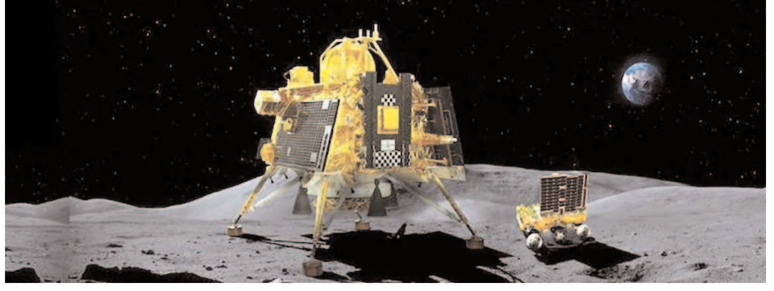

मिशन 99.99 प्रतिशत सफल रहा।

इसरो ने सोमवार को चंद्रयान-3 की लैंडिंग से पहले, लैंडर हैज़र्ड डिटेक्शन एंड अवॉइडेंस कैमरा (एलएचडीएसी) द्वारा ली गई चंद्र सुदूर क्षेत्र की तस्वीरें जारी कीं।

इसरो ने कहा कि दूसरा डीबूस्टिंग और अंतिम ऑपरेशन रविवार सुबह 0200 बजे किया गया और एलएम निर्दिष्ट लैंडिंग स्थल पर सूर्योदय का इंतजार करेगा और 23 अगस्त को संचालित लैंडिंग शुरू होगी। इस युद्धाभ्यास के बाद, चंद्रयान -3 अंतरिक्ष यान अब लगभग 25 किमी गुणा 134 किमी पर स्थित था।

इसरो ने कहा, मॉड्यूल को आंतरिक जांच से गुजरना होगा और निर्दिष्ट लैंडिंग स्थल पर सूर्योदय का इंतजार करना होगा। इसरो, लैंडिंग साइट की पहचान करने के बाद, बुधवार शाम को चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए सटीक ब्रेकिंग तकनीक का प्रदर्शन करेगा।

उल्लेखनीय है कि चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान को 14 जुलाई को इसरो के सबसे भारी प्रक्षेपण यान एलवीएम 3-एम4 द्वारा सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया था। लगभग 16 मिनट की उड़ान अवधि के बाद, इसे 36,500 किमी गुणा 170 किमी की अण्डाकार पार्किंग कक्षा में प्रविष्ट किया गया। चंद्रयान-3 को कक्षा में प्रवेश करने से इसकी 42 दिन की यात्रा समाप्त हो गई।

इसरो के अध्यक्ष एस.सोमनाथ ने कहा कि चंद्रमा की ओर 3.80 लाख किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करके 23 अगस्त को सॉफ्ट लैंडिंग के साथ समाप्त होगी।

चंद्रयान-3 में एक स्वदेशी लैंडर मॉड्यूल (एलएम), प्रोपल्शन मॉड्यूल (पीएम) और एक रोवर शामिल है, जिसका उद्देश्य भविष्य के अंतर-ग्रहीय मिशनों के लिए आवश्यक नई प्रौद्योगिकियों को विकसित करना और प्रदर्शित करना है।

चंद्रयान-3 की सेहत सामान्य है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) और जेपीएल डीप स्पेस एंटीना के सहयोग से पूरे मिशन के दौरान, अंतरिक्ष यान के स्वास्थ्य की लगातार इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) में मिशन ऑपरेशंस कॉम्प्लेक्स (एमओएक्स), बेंगलुरु के पास बयालू में इंडियन डीप स्पेस नेटवर्क (आईडीएसएन) एंटीना से निगरानी की जा रही है।

संपादकीय

प्याज के राज

कहते हैं दूध का जला छाछ भी फूंक-फूंक कर पीता है। हाल ही में टमाटर के अप्रत्याशित करतबी दामों से बैकफुट पर आई सरकार प्याज को लेकर किसी तरह का जोखिम लेने को तैयार नहीं थी। विगत में प्याज के आंसुओं को झेलने के बाद जनता द्वारा राजनीतिक बदलाव करने का इतिहास रहा है। ऐसे अवसर पर जब देश के कुछ महत्वपूर्ण राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और अगले साल आम चुनाव हैं, सरकार प्याज के राज विपक्षी दलों को सौंपने को बिल्कुल तैयार नहीं थी। दरअसल, देश में किसी वस्तु, अनाज या सब्जी के दामों में असामान्य वृद्धि को चुनाव के वक्त एक प्रतीक बनाकर सरकारों को घेरने की परंपरा रही है। यही वजह है कि जैसे ही प्याज के दाम बढ़ने से उपभोक्ताओं के आंसू निकलने लगे, सरकार ने रियायती दामों पर प्याज बेचना शुरू कर दिया। वहीं दूसरी ओर प्याज की महंगाई को नियंत्रित करने तथा उसकी उपलब्धता घरेलू बाजार में बढ़ाने के लिये प्याज पर चालीस फीसदी निर्यात शुल्क लगाने की घोषणा की। जो इस साल के अंत तक जारी रहेगी। दरअसल, बीते सप्ताह प्याज के खुदरा दामों में 37 फीसदी व थोक भाव में पचास फीसदी की वृद्धि देखी गई। जिसके बाद सरकार ने भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ व नेफेड के माध्यम से पच्चीस रुपये किलो के हिसाब से प्याज बेचना शुरू कर दिया है। वैसे यह एक यक्ष प्रश्न है कि प्रतीकात्मक रूप से बेचे जाने वाले सस्ते सामान का देश के दूर-दराज के इलाकों में लोगों को कितना लाभ मिल पाता है। लेकिन हां, जमाखोरों पर दबाव जरूर बढ़ जाता है कि अपना स्टॉक समय से निकाल दें। इससे मांग-आपूर्ति के संतुलन से देश में कीमतें नियंत्रित रहती हैं। दरअसल, सरकार सस्ते दाम में प्याज सरकारी बफर स्टॉक से लेकर बेच रही है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने आपूर्ति बाधित होने पर दाम नियंत्रण की दृष्टि से तीन लाख टन प्याज का बफर स्टॉक बनाया था। जिसमें दो लाख टन आयातित प्याज शामिल करके बफर स्टॉक अब पांच लाख टन का होने जा रहा है। लेकिन सरकार के सामने भी दुविधा रहती है कि यदि वह उपभोक्ताओं के हितों का संरक्षण करती है तो किसानों के हितों पर प्रभाव पड़ता है। यही वजह है कि निर्यात शुल्क बढ़ाने से मुख्य प्याज उत्पादक राज्य महाराष्ट्र की मुख्य मंडी लासलगांव में व्यापारियों ने सोमवार को प्याज की नीलामी बंद कर दी थी। सरकार के फैसले से कारोबारी व किसान दोनों नाराज हैं। किसानों का कहना है कि पहले भी किसानों को सही दाम नहीं मिले। अब निर्यात बढ़ने से ठीक दाम मिलने लगे थे तो सरकार ने निर्यात कर बढ़ा दिया है। जिससे बाजार में कीमतें गिरने से किसान को नुकसान उठाना पड़ेगा। किसानों का कहना है इस निर्णय के बाद व्यापारी किसानों के प्याज घटी दरों पर खरीद रहे हैं। बहरहाल, प्याज पर सतर्कता बरतना सरकार की मजबूरी भी है। इससे पहले टमाटर की आसमान छूती कीमतों, महंगे अदरक, लहसुन आदि ने उपभोक्ताओं की रसोई का बजट खराब कर दिया था। यही वजह है कि सरकार ने पहली बार प्याज पर निर्यात शुल्क बढ़ाया है। इससे पहले न्यूनतम निर्यात मूल्य निर्धारण का सहारा लिया जाता है। बहरहाल, प्याज निर्यात पर लगाया गया शुल्क इस साल के 31 दिसंबर तक प्रभावी रहेगा। दरअसल, इस बीच त्योहारों की श्रृंखला में सब्जियों के दामों को नियंत्रित करना भी सरकार की जिम्मेदारी बन जाती है।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

तुला व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

कुम्भ आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

गोस्वामी तुलसीदास जी जन्म जयंती

लेखक-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

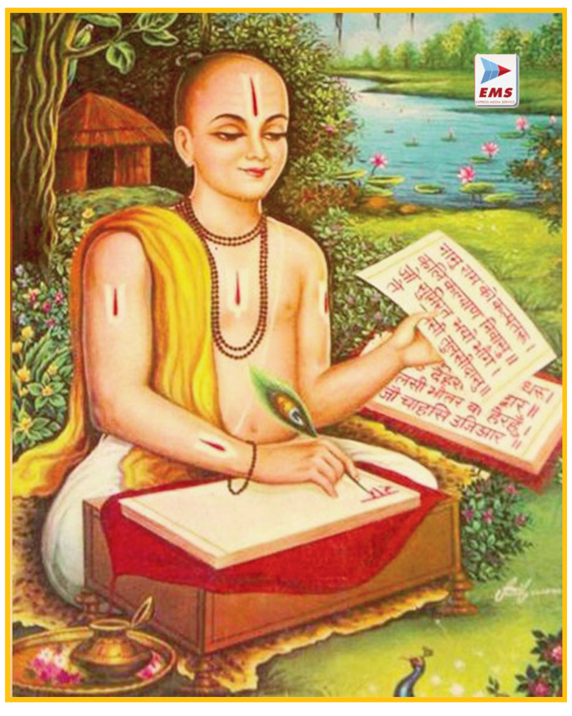

तुलसीदास जी एक बैरागी साधू, हिंदी साहित्य के महान कवि, साहित्यकार एवं दार्शनिक थे। तुलसीदास जी ने अपने जीवन काल में रामभक्ति में लीन रहकर अनेकों ग्रंथों की रचनाएं कीं। तुलसीदास द्वारा रचित 'रामचरितमानस' एक पुरातन पौराणिक बहुप्रसिद्ध ग्रंथ है।जिसे एक महाकव्य के रूप में भी जाना जाता है। श्री रामचरितमानस को विश्व के सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय काव्यों में 46वां स्थान प्राप्त है। वैसे तुलसीदास जी को एक लेख में बांधना बहुत कठिन हैं ,कारण उनके साहित्य पर अनेक शोध ग्रन्थ लिखे जा चुके हैं .जितनी व्याख्या करो नए नए अर्थ समझ में आते हैं .

जीवन परिचय

तुलसीदास जी ने रामचरितमानस के अलावा, वाल्मीकि ऋषि, गीतवाली, दोहावली, संस्कृत रामायण आदि काव्यों की रचना की थी। तुलसीदास जी भगवान राम के सच्चे भक्त एवं अनुयायी थे।

तुलसीदास जी का शुरूआती जीवन

गोस्वामी तुलसीदास जी का जन्म 1511 ईस्वी में कासगंज , उत्तर प्रदेश में एक सर्यूपारिय ब्राह्मण परिवार में हुआ था। मुग़ल शासक अकबर को तुलसीदास जी का समकालीन सम्राट माना जाता है। तुलसीदास जी के पिता का नाम आत्मा राम शुक्ल दुबे एवं माता जी का नाम हुलसी दुबे था तुलसीदास जी की माता एक आध्यात्मिक महिला एवं गृहणी थीं।अपने जन्म के साथ ही तुलसीदास ने राम नाम लेना शुरू कर दिया था। जिस कारण तुलसीदास जी के बचपन का नाम 'रामबोला' पड़ गया। जन्म की यह सब घटनाएं देख उनके आस पास के रहने वाले लोग बहुत ही आश्चर्य चकित थे।

तुलसीदास जी की शिक्षा

तुलसीदास जी की प्रारम्भिक शिक्षा उनके गुरु नरसिंह दास जी के आश्रम में हुई थी। जब तुलसीदास जी 7 वर्ष के थे तो उनके माता-पिता ने प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा के लिए श्री अनन्तानन्द जी के प्रिय शिष्य श्रीनरहर्यानन्द जी (नरहरि बाबा) के आश्रम भेज दिया था।

नरसिंह बाबा जी के आश्रम में रहते हुए तुलसीदास जी ने 14 से 15 साल की उम्र तक सनातन धर्म, संस्कृत, व्याकरण, हिन्दू साहित्य, वेद दर्शन, छः वेदांग, ज्योतिष शास्त्र आदि की शिक्षा प्राप्त की।

रामबोला के गुरु नर सिंह दास ने ही रामबोला का नाम गोस्वामी तुलसीदास रखा था।अपनी शिक्षा समाप्त करने के बाद तुलसीदास जी अपने निवास स्थान चित्रकूट वापस आ गए और लोगों राम कथा , महाभारत कथा आदि सुनाने लगे।

तुलसीदास का तपस्वी बनना-

तुलसीदास जी का विवाह रत्नावली बुद्धिमती नाम की लड़की से 1526 ईस्वी (विक्रम संवत 1583) में हो गया था। विवाह के पश्चात तुलसीदास जी अपनी पत्नी के साथ राजापुर नामक स्थान में रहा करते थे। तुलसीदास और रत्नावली दम्पति का एक पुत्र था जिसका नाम तारक था। लेकिन किसी कारण वश बहुत ही कम उम्र में तारक की मृत्यु शयन अवस्था में हो गई थी। पुत्र की मृत्यु के बाद तुलसीदास जी का अपनी पत्नी से लगाव कुछ अधिक ही बढ़ गया था। तुलसीदास जी किसी भी हालत में अपनी पत्नी से अलगाव सहन नहीं कर सकते थे।

दु:ख से पीड़ित तुलसीदास जी की पत्नी एक दिन बिना बताये अपने मायके चली गई। जब तुलसीदास जी को इसके बारे में पता चला तो वह रात को चुपके से अपनी पत्नी से मिलने ससुराल पहुंच गए। यह सब देख रत्नावली बहुत ही ज्यादा शर्म की भावना महसूस हुई। और रत्नावली ने तुलसीदास जी से कहा 'ये मेरा शरीर जो मांस और हड्डियों से बना है। जितना मोह आप मेरे साथ रख रहे हैं अगर उतना ध्यान भगवान राम पर देंगे तो आप संसार की मोह माया को छोड़ अमरता और शाश्वत आनंद प्राप्त करेंगे।

अपनी पत्नी की यह बात तुलसीदास जी को एक हृदयघात करती हुई एक तीर की तरह चुभी और उन्होंने घर को त्यागने का मन बना लिया। जिसके बाद तुलसीदास जी घर छोड़कर तपस्वी बन गए। तपस्वी बनकर तीर्थ स्थानों का भ्रमण करने लगे।

चौदह साल तक विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर अंत में तुलसीदास जी वाराणसी पहुंचे। वाराणसी पहुंचकर तुलसीदास आश्रम बनाकर रहने लगे और लोगों को धर्म, कर्म, शास्त्र, आदि की शिक्षा देने लगे।

तुलसीदास जी की भगवान राम जी से मुलाक़ात-

रामचरितमानस में एक प्रसिद्ध प्रसंग मिलता है जब तुलसीदास जी भगवान राम से भेंट की। घटना कुछ इस प्रकार है की रामभक्ति में लीन रहने वाले तुलसीदास जी एक समय जब उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थित चित्रकूट के रामघाट में आश्रम बना कर रहते थे।

तो एक दिन तुलसीदास जी कामदगिरि पर्वत की परिक्रमा करने गए हुए थे। जहाँ तुलसीदास जी ने दो राजकुमारों को घोड़े पे सवार आते देखा लेकिन तुलसीदास जी ना तो उन दोनों राजकुमारों को पहचान सके और ना ही उन दोनों राजकुमारों के बीच अंतर जान सके। इस घटना के बाद जब अगली सुबह नदी के किनारे घाट पर तुलसीदास जी चंदन का लेप बना रहे थे तो दो राजकुमार तपस्वी का भेष बनाकर तुलसीदास जी एक आश्रम आते हैं। राजकुमारों को देख तुलसीदास जी उनको पहचान लेते हैं यह भगवान राम और उनके भाई लक्ष्मण है। तुलसीदास जी राजकुमारों को देखकर कहते हैं की भगवान मैं आपको पहचान गया। आपको मेरा प्रमाण। मेरी इस कुटिया में आपका स्वागत है। इसके बाद भगवान राम तुलसीदास जी के पास गए और चंदन के लेप का तिलक माँगा। तुलसीदास जी ने भगवान राम के माथे पर तिलक लगाया और पैरों को छूकर आशीर्वाद लिया। इस तरह से भगवान राम का मिलन तुलसीदास जी से हुआ।

चित्रकूट के घाट पर, भइ सन्तन की भीर।
तुलसिदास चन्दन घिसें, तिलक देत रघुबीर॥

भगवान राम से भेंट के संबंध में तुलसीदास जी ने उपरोक्त में बताया है। इस दोहे में तुलसीदास जी कहते हैं की भगवान राम की मनमोहक अद्भुत छवि को देखकर वह मंत्र मुग्ध हो गए और अपनी सुध-बुध खो बैठे।

तुलसीदास जी ने अपने 112 वर्ष के लम्बे जीवन काल में अनेकों काव्य रचनाएं की।

रामचरितमानस 1574 ईस्वी
रामललानहछू 1582 ईस्वी
वैराग्यसंदीपनी 1612 ईस्वी आदि आदि

दोहावली: दोहावली काव्य रचना में तुलसीदास ने भगवान राम के चरित्र का वर्णन किया है।

दिएँ पीठि पाछें लगै सनमुख होत पराइ। तुलसी संपति छाँह ज्यों लखि दिन बैठि गँवाइ।।

अर्थ: तुलसीदास जी कहते हैं की मनुष्य के द्वारा कर्म करके कमाई गयी संपत्ति मानव शरीर की छाया के समान है। जो की शरीर की पीठ के पीछे-पीछे चलता है। यदि जब छाया सामने आती है तो वह दूर चली जाती है। जो धन से अपने मोह भंग कर लेता है तो धन उस व्यक्ति के पीछे-पीछे चलता है। और जो व्यक्ति सदा ही धन का लालच करता है। उसे धन की सुख प्राप्ति कभी नहीं होती।

सोई सेंवर तेइ सुवा सेवत सदा बसंत । तुलसी महिमा मोह की सुनत सराहत संत ।।

अर्थ: वसंत ऋतू आने पर जैसे सेमलता के पेड़ों पर फूल आ जाते हैं और उन फूलों के रस का स्वाद लेने तोते अक्सर फूलों पर मंडराते रहते हैं। तो यह ऐसा है की जैसे कोई मोह की महिमा का बखान कर रहा हो।

मृत्यु

इतिहासकार मानते हैं की तुलसीदास जी जीवन के अंतिम समय में वाराणसी में ही रह रहे थे। जीवन के अंतिम क्षणों में भी तुलसीदास जी की दिनचर्या पूरी तरह से रामभक्ति में ही लीन रहती थी। वाराणसी में 112 साल की उम्र में 1623 ईस्वी में तुलसीदास जी ने समाधि लेकर अपने शरीर को त्याग दिया।

रामचरित मानस रचकर गोस्वामी तुलसीदास ने किया लोकभाषा को प्रतिष्ठित

(लेखक--श्रीराम माहेश्वरी)

(जयंती 23 अगस्त पर विशेष)

भारत में एक समय अनीति, भेदभाव और सामाजिक कुरीतियां अपने चरम पर थीं। धर्म और पंथ के पैरोकारों के बीच आपसी प्रतिद्वंद्विता चल रही थी । वर्णभेद और छुआछूत हर जगह व्याप्त था। शैव और वैष्णव संप्रदायों के बीच श्रेष्ठता की होड़ चल रही थी। अनेक तरह की रूढ़ियों से ग्रसित समाज में अंधविश्वास का बोलबाला था। ऐसे कठिन दौर में एक ओजस्वी प्रतिभा संपन्न विभूति का आविर्भाव हुआ। इनका नाम है: गोस्वामी श्री तुलसीदास। गोस्वामी जी ने अनेक काव्य रचनाएं लिखीं। इनमें प्रमुख है: श्री रामचरित मानस। पूर्वी भाषा में रामायण रचकर उन्होंने लोक भाषा को प्रतिष्ठित और समृद्ध किया। भक्तिरस से ओतप्रोत सरल भाषा में चौपाइयां और दोहे इतने लोकप्रिय हुए कि रामायण घर-घर में प्रतिष्ठित हो गई। रामकथा की लोकप्रियता देश विदेश से लेकर नगरीय क्षेत्रों के साथ-साथ गांव की चौपालों तक अमरबेल की तरह फैल गई।

गोस्वामी जी ने रामायण के माध्यम से समाज में सकारात्मक वातावरण निर्मित किया। रामराज्य की विशेषताओं को जन-जन तक पहुंचाया। राजा का प्रजा के प्रति कर्तव्य और उत्तरदायित्व तथा प्रजा का राष्ट्र के प्रति कर्तव्य परायणता का संदेश लोगों तक पहुंचा। पिता की प्रतिज्ञा सत्य करने के लिए भगवान राम ने राजपद त्यागकर सहर्ष वनवास ग्रहण कर एक उच्च आदर्श स्थापित किया। इधर, भरत को राजपद मिला, परंतु उन्होंने राज्य की सुविधाओं का उपयोग नहीं किया। अयोध्या से बाहर कुटी बनाकर वे तपस्वी के वेश में 14 वर्ष तक रहे। उन्होंने राम की आज्ञा से राजधर्म निभाया, परंतु वैराग्य जीवन जीते हुए। इससे यह शिक्षा मिलती है कि राजा को जन आकांक्षाओं के अनुरूप चलते हुए न्यायप्रिय होना चाहिए। राम जब 14 वर्ष बाद वापस आए तो उन्हें सहर्ष राज्य सौंप दिया। यह प्रसंग नैतिक मूल्यों की पराकाष्ठा है।

रामराज्य में प्रजा सभी प्रकार से सुखी रहती है। उन्हें किसी प्रकार का दैहिक दैविक ताप का सामना नहीं करना पड़ता। आदर्श राज्य का संचालन, मर्यादा और सदाचरण से जीवन यापन करने की सीख तथा राजा का प्रजा को संतानों की तरह पालन करने का मार्गदर्शन हमें रामायण से मिलता है। काम, क्रोध, लोभ और मोह के प्रति मनुष्य की भावना कैसी हो, सतोगुण, रजोगुण और तमोगुण से वह कैसे जीवन में समन्वय स्थापित करे, इसकी सीख मानस में मिलती है। तुलसी ने अपने काव्य में शिव और वैष्णव भक्तों के बीच अभेद भक्ति को आवश्यक बताया है। राम और शिव एक दूसरे के आराध्य हैं, इसलिए कोई उन्हें छोटा बड़ा ना देखे। यदि राम की भक्ति चाहिए तो शिव जी से प्रार्थना करें और यदि शिव जी की कृपा चाहिए तो पहले राम भक्त बनें। आस्था के भेदभाव को मानस में समाप्त करने का प्रयास किया गया है। इस तरह हम देखते हैं कि तुलसी के ग्रंथ ने मनुष्य को दुर्गुणों से दूर किया और उन्हें सन्मार्ग की ओर प्रेरित किया। इस ग्रंथ ने सनातन संस्कृति के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाया। साथ ही लोगों में भक्ति की भावना का संचार किया। यह सत्य है कि विप्र, गौ, संत और देवों की रक्षा के लिए भगवान समय-समय पर पृथ्वी पर अवतार लेते हैं और दुष्टों का वध करके उनका कष्ट दूर करते हैं।

गोस्वामी जी का जन्म बांदा जिले में राजापुर गांव में संवत् 1554 श्रावण शुक्ल सप्तमी को हुआ। पिता का नाम श्री आत्माराम दुबे और माता का नाम श्रीमती हुलसी था। जन्म होते ही उन्होंने राम शब्द बोला। बचपन में उनका नाम राम बोला था। बाद में उनके गुरु ने उनका नाम तुलसीदास रखा। श्री सदानंद के निर्देश पर उनके शिष्य श्री नरहरि तुलसी को लेकर अयोध्या आ गए। संवत 1561 माघ शुक्ल पंचमी को उनका यज्ञोपवीत संस्कार हुआ। गुरु ने उन्हें राम मंत्र की दीक्षा दी। बाद में मैं काशी आ गए। यहां 15 वर्षों तक उन्होंने वेदों का अध्ययन किया। अध्ययन के बाद वे जन्मभूमि लौटे। यहां संवत 1583 जेष्ठ शुक्ल 13 गुरुवार को एक सुंदर कन्या के साथ उनका विवाह हुआ। पत्नी के प्रति उनका अत्यधिक प्रेम था। एक दिन पत्नी ने उन पर क्रोध किया और कहा कि जितना आप हमसे प्रेम करते हो, यदि इतना राम जी से करते तो कल्याण हो जाता। यह सुनकर उन्होंने कहा, ऐसा ही होगा। घर छोड़कर वे काशी आ गए। यहां भगवान विश्वेश्वर नाथ से उन्होंने राम भक्ति के लिए प्रार्थना की। इसके बाद वे सत्संग में जाने लगे। जहां रामकथा होती, वहां वह उपस्थित होते। हनुमान जी की कृपा से उन्हें चित्रकूट में भगवान श्री रामचंद्र के लक्ष्मण सहित दर्शन हुये। काशी में गोस्वामी जी ने संवत् 1631 चैत्र मास में रामनवमी के दिन रामायण लिखना शुरू की। 2 वर्ष, 7 माह, 26 दिन में ग्रंथ पूरा हो गया। रामायण में 27 श्लोक, 4506 चौपाई, 207 छंद, 1167 दोहे तथा 86 सोरठा हैं। विनय पत्रिका, गीतावली, हनुमान बाहुक, हनुमान चालीसा तथा अन्य रचनाएं भी उन्होंने लिखीं। संवत 1680 श्रावण कृष्ण तृतीया शनिवार को काशी के अस्सी घाट पर उन्होंने राम-राम कहते हुए देह त्याग दी। रामायण से हमें धार्मिक शिक्षा, गुरु, माता पिता के साथ आदर्श व्यवहार, मर्यादित जीवन, संयम, शील तथा सद्गुणों को अपनाने की प्रेरणा मिलती है, संस्कृति की रक्षा और नैतिक मूल्यों के प्रति मनुष्य का आचरण जैसे प्रसंग भी इसमें हैं। गुरु का आदर और सेवा, पितृ भक्ति, माताओं का त्याग, पति के प्रति पत्नी का कर्तव्य, भाइयों के बीच आपसी प्रेम, समर्पण की भावना, भरत का तपस्वी वेष में 14 वर्ष तक रहने जैसे प्रसंग रामायण की उपादेयता को बढ़ाते हैं। हनुमान जी का राम जी के प्रति सेवाधर्म स्वामी सेवक की पूर्णता है। समुद्र को लांघना, सीता जी को धैर्य देना तथा लक्ष्मण जी को शक्ति लगने पर रात में ही संजीवनी लाने जैसे उनके अलौकिक और साहसिक कार्य हैं। क्रोध में आकर स्त्री कैसे अपने कुटुंब को गर्त में धकेल सकती है, यह कैकयी प्रसंग में है। विभीषण और सुग्रीव को राज्य देना, सुग्रीव से मित्रता, दुष्टों का साथ छोड़ना, सत्संग करना, जो अनीति करे, उसका त्याग करना, चाहे भाई ही क्यों ना हो, जैसे प्रसंग समूची मानव जाति को सजग रहने का संदेश देते हैं। श्री तुलसीदास का व्यक्तित्व और कृतित्व हर युग में प्रासंगिक रहेगा। गोस्वामी श्री तुलसीदास जी ने रामायण जैसा ग्रंथ लिख कर हमें इस भवसागर से पार जाने के लिए एक सशक्त सोपान दे दिया है।

रामायण में वह सब कुछ है, जिससे मनुष्य यह लोक और परलोक दोनों को सुधार सकता है। आवश्यकता है कि वह सत्संग से जुड़े, सदाचरण अपनाए और निष्काम भाव से भक्ति करे। ऐसा करके निश्चित ही वह अपना मनोरथ पा सकता है।

(लेखक साहित्यकार एवं वरिष्ठ पत्रकार हैं)

विचार मंथन

प्याज पर 40 फीसदी निर्यात शुल्क, किसानों के साथ धोखा

(लेखक-सनत जैन)

केंद्र सरकार द्वारा प्याज पर 40 फ़ीसदी निर्यात शुल्क लगाने की घोषणा की है। 31 दिसंबर 2023 तक भारत से प्याज,विदेश में निर्यात होगी, तो उसे पर 40 फ़ीसदी निर्यात शुल्क देना होगा। इससे देश में प्याज की कीमतें कम हो गई हैं। किसानों के साथ यह सरकार की धोखाधड़ी और असंवेदनशीलता ही मानी जाएगी। जब फसल खेत से निकलती है। तब कीमतें बहुत तेजी के साथ गिर जाती हैं। किसानों को अच्छी फसल आने पर उत्पादन लागत के दाम भी नहीं मिल पाते हैं। मंडियों तक फसल को ले जाने के लिए हजारों रुपए भाड़ा देना पड़ता है। भाड़ा भी प्याज की कीमत से ज्यादा होता है। किसानों को जब मंडियों में दाम नहीं मिलता है। तब किसान वहीं फेंक कर वापस आ जाते हैं। बिना बिकी फसल यदि वह अपने घर लायगा तो उसका भाड़ा ही उसकी कीमत से ज्यादा होगा। पिछले एक दशक से किसान लगातार कर्ज में डूबते जा रहे हैं। जब फसल आती है,तब उन्हें दाम नहीं मिलते हैं। सरकार ने फसलों के न्यूनतम दाम तय नहीं किये हैं। समर्थन मूल्य पर सरकार किसानों की फसल नहीं खरीदती है। प्राकृतिक आपदा और 3 से 4 महीने की मेहनत के बाद जब फसल आती है। किसान को उत्पादन लागत नहीं मिलती है। कुछ ही समय के बाद जब मंडियों में आवक कम हो जाती है। तब रेट बढ़ना शुरू होते हैं। तब सरकार इस तरह के प्रतिबंध लगा देती है। जिसके कारण किसानों को भारी नुकसान सहना पड़ता है। फल, सब्जी,अनाज, तिलहन, दलहन सभी में यही हाल है। खाद्य पदार्थों की कीमतों का असर आम आदमी पर पड़ता है। पिछले एक दशक में पेट्रोल और डीजल में सरकार ने भारी टैक्स लगा रखा है। जिसके कारण परिवहन की लागत बढ़ गई है। कृषि उत्पादन की भी लागत तेजी के साथ बढी है। खेत से मंडी तक फसल ले जाने में किसानों को फसल की कीमत से ज्यादा भाड़ा देना पड़ता है। मंडी में माल बेचने के अलावा उसके पास और कोई चारा नहीं होता है। जिस भाव भी माल बिकता है, वह बेचकर घर चला आता है। सरकार समर्थन मूल्य पर कोई खरीदी नहीं करती हैं। सरकार कृषि उत्पाद के लागत मूल्य भी तय नहीं करती है। किसानों को सरकार का कोई भी संरक्षण प्राप्त नहीं है। आंधी, तूफान, बारिश इत्यादि में फसल नष्ट होती है। नकली दवाई, नकली कीटनाशक, नकली बीज,महंगी खाद की विभिन्न समस्याओं के कारण, कृषि उत्पादन की लागत लगातार बढ़ती जा रही है। किसानों की आय कम होती जा रही है। जिसके कारण पिछले एक दशक में किसान बड़ी संख्या में कर्जदार होकर आत्महत्या तक करने के लिए विवश हो रहे हैं। टमाटर हो या प्याज, हर बार सुनने में आता है कि सही दाम नहीं मिलने के कारण किसानों को बहुत कम कीमत पर फ़सल बेचना पड़ती है। उपभोक्ताओं को साग, सब्जी, फल, फूल इत्यादि सब महंगे दामों में खरीदना पडते हैं। बिचौलिए इसका पूरा लाभ उठाते हैं। किसान और उपभोक्ता दोनों ही ठगे जाते हैं। उपभोक्ताओं को सस्ती सामग्री उपलब्ध कराने के लिए किसानों को टारगेट करती है। जब भी फसल के दाम थोड़े बेहतर होते हैं। किसानों को कुछ फायदा हो सकता है। उस समय सरकार कीमतों को नियंत्रित करने के नाम पर विदेशों से खाद्यान्न एवं अन्य खाद्य सामग्री आयात करके किसानों आर्थिक नुकसान पहुंचाती है। दलहन और तिलहन का लगातार आयात किया जा रहा है। भारत के किसानों को उचित दाम नहीं दिए जा रहे हैं। वहीं विदेशों से महंगे दामों में आयात करके भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है। हाल ही में अफगानिस्तान से लहसुन का आयात किया गया। जैसे ही गेहूं के दाम थोड़े से बढ़ने लगे। सरकार ने निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। चावल के दाम थोड़ा ठीक-ठाक हुए,और सरकार ने निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। जिसके कारण कीमतें बाजार में गिर गई। गेहूं की कीमतों को कम करने के लिए रूस से 90 लाख टन गेहूं आयात करने की बात की जा रही है। इससे भारत का किसान अपने ही देश में अपनों द्वारा ठगा जा रहा है। किसानों का आक्रोश, सरकार की नीतियों के खिलाफ बढ़ने लगा है। पिछले वर्षों में पेट्रोल डीजल की कीमतें बढ़ने और जीएसटी के कारण, खेती किसानी की उत्पादन लागत बहुत तेजी के साथ बढ़ी है। वहीं किसानों को उत्पादन लागत भी नहीं मिल पा रही है। सरकार उत्पादन लागत का दोगुना लाभ देने का वायदा करती है। लेकिन वास्तविकता यह है, कि किसानों को उत्पादन लागत भी नहीं निकलती है। किसान कर्ज के बोझ से दबते ही चले जा रहे हैं। इससे किसानों में आक्रोश फैल रहा है। सरकार को समय रहते ध्यान देने की जरूरत है। सरकार, फल-फूल, सब्जी, अनाज, तिलहन, दलहन इत्यादि की उत्पादन लागत तय करे। उत्पादन लागत में किसानों का लाभ जोड़कर,न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करे। उससे कम कीमत पर खरीद बिक्री ना हो। इसके लिए सरकार को कानून बनाने की जरूरत है। साल भर उपभोक्ताओं को एक निश्चित कीमत में खाद्य सामग्री उपलब्ध हो।

इस दिशा में भी सरकार को नीति बनाने की जरूरत है।ताकि उपभोक्ताओं और किसानों दोनों के हितों का संवर्धन हो सके। महंगाई को भी साल भर नियंत्रित रखा जा सके।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार में सपाट कारोबार

मुम्बई ।

शेयर बाजार में मंगलवार को सपाट कारोबार हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बढ़त को बनाये नहीं रखने के कारण बाजार को नुकसान हुआ। इससे बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी बेहद कम बढ़त हासिल कर पाये। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 3.94 अंक करीब 0.01 फीसदी बढ़कर 65,220.03 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 2.85 अंक तकरीबन 0.01 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। कारोबार के दौरान ब्रोर्डर इंडाइसेज ने बेंचमार्क सूचकांकों से अधिक बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांक 0.4 फीसदी तक उछले। आज सेंसेक्स के शेयरों में से 15 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। आईटीसी, एमएंडएम, विप्रो, एलएंडटी और एक्सिस बैंक सेंसेक्स के सबसे अधिल लाभ वाले पांच शेयर रहे। सबसे ज्यादा 1.45 फीसदी लाभ आईटीसी के शेयरों को हुआ। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में से केवल 15 शेयर ही नुकसान के साथ नीचे आये। जियो फाइनैंशियल सर्विसेज के शेयर दूसरे दिन भी गिरे। इनमे सबसे अधिक 5 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा बजाज फिनसर्व, एसबीआई, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक और टेक महिंद्रा सेंसेक्स के नुकसान वाले पांच शेयर रहे। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से शेयर बाजार की शुरुआत अच्छी रही। सेंसेक्स 56 अंकों की बढ़त के साथ 6272 के स्तर पर खुला। जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 23 अंक ऊपर 19417 के स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 48 अंकों की बढ़त के साथ 65264 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर निफ्टी में 17 अंकों की मजबूती थी और यह 19411 पर पहुंच गया था।

जियो फाइनेंशियल के शेयरों की कीमत दो दिन में 10 फीसदी गिरी

मुंबई । देश के प्रमुख कारोबारी में से एक मुकेश अंबानी की कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का शेयर मंगलवार को 5 फीसदी गिरावट के साथ खुला। सोमवार को यह 251.75 रुपए पर बंद हुआ था और आज फिर 5 फीसदी की गिरावट के साथ 239.20 रुपए पर खुला। इस तरह दो दिन में इसकी कीमत में 10 फीसदी गिरावट आ चुकी है। रिलायंस इंडस्ट्रीज से हाल में इस कंपनी को अलग किया गया था और सोमवार को इसकी लिस्टिंग हुई थी। 20 जुलाई को इस स्टॉक की प्री-लिस्टिंग कीमत 261.85 रुपए निकली थी लेकिन सोमवार को कंपनी का शेयर बीएसई पर 265 रुपए पर लिस्ट हुआ जबकि एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 262 रुपए पर हुई। लिस्ट होने के कुछ ही देर बाद यह लोअर सर्किट पर चला गया। दूसरे दिन की गिरावट के बाद जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के मार्केट कैप 1,51,970.56 करोड़ रुपए रह गया है। हालांकि रिलायंस के शेयरों में तेजी देखी जा रही है। बीएसई पर यह 0.42 फीसदी की तेजी के साथ 2528.90 रुपए पर कारोबार कर रहा है। जियो फाइनेंशियल की लिस्टिंग को लेकर बाजार में काफी उत्साह दिखाई दे रहा था लेकिन लगातार दूसरे दिन गिरावट से निवेशकों को भारी झटका लगा है।

चीन ने तीन महीने में दूसरी बार घटाई ब्याज दरें

बीजिंग । चीन के केंद्रीय बैंक ने एक साल के लोन के ब्याज दरों में कमी की है लेकिन उसने पांच साल के लोन की ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं किया है। चीन की इकोनॉमी मुश्किल में है। ऐसे में माना जा रहा था कि केंद्रीय बैंक इकोनॉमी को सहारा देने के लिए कुछ बड़े ऐलान करेगा। चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी है। पहले नंबर पर अमेरिका है। पीपल्स बैंक ऑफ चाइना (पीबीओसी) ने एक साल के लोन की ब्याज दर को 3.55 फीसदी से घटाकर 3.45 फीसदी कर दिया है। बीते तीन महीनों में चीन में यह दूसरी बार रेट में की गई कटौती है। पीओबीसी ने पांच साल के लोन की ब्याज दर में बदलाव नहीं किया है। ज्यादातर होम लोन इस रेट पर लिए जाते हैं। इसे 4.2 फीसदी पर बनाए रखा गया है। इसकी वजह यह है कि चीन का रियल एस्टेट सेक्टर मुश्किल में है। डिफॉल्ट का खतरा बहुत बढ़ गया है। चीन की बड़ी रियल एस्टेट कंपनी कंट्री गार्डन डिफॉल्ट करने के करीब है। दूसरी बड़ी रियल एस्टेट कंपनी ईवरग्रेंड ने पिछले हफ्ते अमेरिका में बैंकरप्सी कोर्ट में आवेदन किया है। कैपिटल इकोनॉमिक्स के जूलियन इवांस ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है` कि ब्याज दर में उम्मीद से कम कटौती से हमारी इस सोच को मजबूती मिली है कि पीबीओसी ब्याज दर में ज्यादा कमी करने के लिए तैयार नहीं है, क्रेडिट डिमांड बढ़ाने के लिए जिसकी अभी जरूरत है। राहत पैकेज की मदद से इकोनॉमिक एक्टिविटी तभी बढ़ाई जा सकती है, जब बड़े फिस्कल सपोर्ट के उपाय किए जाएंगे।

यूनियन बैंक क्यूआईपी के जरिए जुटाएगा 5,000 करोड़

नई दिल्ली । यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने कहा कि वह पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिए 5,000 करोड़ रुपए तक जुटाने की योजना बना रहा है। बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि पूंजी जुटाने पर निदेशकों की एक समिति ने हाल ही में हुई बैठक में क्यूआईपी के जरिए 5,000 करोड़ रुपए तक जुटाने को मंजूरी दी। यूनियन बैंक ने कहा कि निर्गम के तहत बोली की निचली कीमत 91.10 रुपए प्रति इक्विटी शेयर है।

दुबई हवाई अड्डे पर इस साल की पहली छमाही में 41.6 करोड़ यात्री आए

दुबई । दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इस साल की पहली छमाही में 41.6 करोड़ यात्री आए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। यह वैश्विक महामारी के पूर्व 2019 की समान अवधि के आंकड़ों से अधिक है, क्योंकि कोरोना वायरस संक्रमण प्रकोप और उसके कारण लगे लॉकडाउन के खत्म होने के बाद अब फिर से लोग निश्चिंत होकर यात्रा कर रहे हैं। दुबई हवाई अड्डे के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पॉल ग्रिफिथ्स ने कहा कि धीरे-धीरे वैश्विक महामारी के पूर्व के स्तर से आगे बढ़ रहे हैं। साथ ही यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हवाई अड्डे से यात्रा करने वाले हर एक अतिथि का अनुभव सुखमय हो। आंकडों के अनुसार, 4.16 करोड़ यात्रियों की संख्या पिछले वर्ष की समान अवधि से करीब 50 प्रतिशत अधिक है। तब यात्रियों की संख्या 2.79 करोड़ थी। दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अभी 104 देशों में 257 गंतव्यों के लिए विमान सेवाएं संचालित की जाती हैं।

जी7 देशों की संयुक्त जीडीपी के करीब पहुंच रही ब्रिक्स की अर्थव्यवस्था: गोयल

जोहानिसबर्ग। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि ब्रिक्स वैश्विक विकास की एक महत्वपूर्ण ताकत है तथा पांच सदस्यीय इस समूह की अर्थव्यवस्था विनिर्माण प्रक्रिया में अहम बदलाव के साथ जी 7 देशों के संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के करीब पहुंच रही हैं। उन्होंने हाल ही में आयो जित ब्रिक्स विनिर्माण व्यापार सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में यह बात कही। गोयल ने इस कार्यक्रम में 30 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा` कि हम किन चीजों का विनिर्माण करते हैं, हम कैसे विनिर्माण करते हैं, किसके लिए हम विनिर्माण करते हैं, उसमें 21 वीं सदी ने बहुत बड़ा बदलाव देखा है। विनिर्माण व्यापार एवं उद्योग का एक अहम हिस्सा है और वह एक देश के विकास में अहम भूमिका निभाता है। वैसे तो अर्थव्यवस्था में उसका वर्चस्व बना रहता है लेकिन हम किन चीजों का विनिर्माण करते हैं, कैसे हम विनिर्माण करते हैं, उसमें 21 वीं सदी ने बड़ा बदलाव देखा है। यह सम्मेलन 15 वें ब्रिक्स सम्मेलन से पहले एक अहम कार्यक्रम है। बुधवार को 15वें ब्रिक्स सम्मेलन में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के नेता विविध विषयों पर चर्चा करेंगे।

एसबीआई बैंक के चेयरमैन दिनेश खारा का बढ़ सकता है कार्यकाल

- खारा को पद पर लगभग एक और साल मिल जाएगा

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन दिनेश खारा को अगस्त 2024 तक विस्तार मिल सकता है। ऐसा माना जा रहा है कि उन्हें पद पर लगभग एक और साल मिल जाएगा। उनका वर्तमान कार्यकाल अक्टूबर में समाप्त हो रहा है। मौजूदा नियमों के तहत एसबीआई के चेयरमैन को 63 साल तक का कार्यकाल दिया जाता है, लेकिन खारा अगले अगस्त में इस उम्र तक पहुंच जाएंगे। हालांकि, ऐसे भी कई उदाहरण रहे है, जहां पब्लिक सेक्टर बैंक के प्रमुखों को रिटायरमेंट की आयु से कई महीने दूर होने के बावजूद कार्यकाल नहीं बढ़ाया गया। टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार, मेनेजिंग डायरेक्टर के रूप में अश्विनी कुमार तिवारी का कार्यकाल जनवरी, 2024 में समाप्त होने वाला है और भी नौकरी पर दो साल और मिलने की संभावना है। खारा और तिवारी के विस्तार से एसबीआई की उत्तराधिकार योजना भी प्रभावित हो सकती है। वर्तमान एमडी सीएस सेट्टी को अपने वर्तमान बॉस के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा था। वहीं आलोक कुमार चौधरी देश के सबसे बड़े ऋणदाता के बोर्ड में तीसरे एमडी हैं और आरबीआई के डिप्टी गवर्नर के रूप में स्वामीनाथन जे की नियुक्ति के बाद एक एमडी पद खाली हो गया है। दूसरी तरफ, सरकारी बैंकों, बीमा कंपनियों और वित्तीय संस्थानों के प्रमुखों के चयन के लिए जिम्मेदार एजेंसी वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो एसबीआई और एलआईसी प्रमुखों के लिए रिटायरमेंट की आयु बढ़ाकर 65 वर्ष करने के प्रस्ताव पर चर्चा कर रही है। खारा को तीन साल का कार्यकाल दिया गया था और उन्होंने महामारी के बीच फाइनेंशियल सर्विस सेक्टर में सबसे अधिक मांग वाली नौकरियों में से एक ली और अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया।

ईवी बदल देगी तस्वीर, बंद कीजिए पेट्रोल स्कूटर बनाना: भवीश अग्रवाल

- अग्रवाल ने कहा, ग्राहकों के लिए ज्यादा सार्थक और गुणवत्ता भरे स्कूटर बनाने चाहिए

नई दिल्ली । ओला इलेक्ट्रिक के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी भवीश अग्रवाल ने पेट्रोल इंजन वाले स्कूटर बनाना बंद करने को कहा है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल इंजन वाले स्कूटर बनाने के बजाय उन्हें ग्राहकों के लिए ज्यादा सार्थक और गुणवत्ता भरे स्कूटर बनाने चाहिए। ओला ने हाल ही में अलग-अलग कीमत वाले चार नए ई-स्कूटर बाजार में उतारे। साथ ही उसने ई-बाइक के चार मॉडल भी दिखाए, जिन्हें अगले साल के अंत तक पेश किया जाएगा। उसके बाद ओला इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में पुरानी कंपनियों के मुकाबले बहुत मजबूत मुकाम हासिल कर लेगी। अग्रवाल ने कहा कि पुरानी दोपहिया कंपनियों को अब पेट्रोल इंजन वाले स्कूटर बनाना बंद कर देना चाहिए। उन्हें अपने ग्राहकों के लिए ज्यादा सार्थक और गुणवत्ता भरे दोपहिया बनाने में निवेश करना चाहिए। इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में ओला की हिस्सेदारी जुलाई में 37 फीसदी से अधिक थी और वह पहले से ही इस बाजार की अव्वल नंबर कंपनी है। उद्योग ने 2022 में लगभग 7 लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बेचे थे। सरकार का लक्ष्य इस साल 24 लाख के आंकड़े तक पहुंचने का है। मगर फेम2 सब्सिडी पर अनिश्चितता के कारण वित्त वर्ष 2024 का लक्ष्य शायद ही हासिल हो सके। अग्रवाल ने यह भी कहा कि पेट्रोल स्कूटर बनाने वाली कंपनियों को ओला के 1,000 से अधिक आउटलेट्स पर जाना चाहिए और देखना चाहिए कि ग्राहकों की पसंद किस तरह बदल चुकी है। अग्रवाल से जब पूछा गया कि अब भी इतने कम ई-स्कूटर क्यों बिक रहे हैं तो उन्होंने कहा कि तस्वीर बदल जाएगी। ये पांच स्कूटर आने से हमें बिक्री बढ़ाने में मदद मिलेगी क्योंकि अब हमारे पास हर कीमत का ई-वाहन है। हम पहले ही अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 10 लाख कर चुके हैं और इस साल के अंत तक इसे बढ़ाकर 20 लाख कर लेंगे। अग्रवाल ने यह भी बताया कि सेल बैटरी तकनीक और उसमें इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल पर नियंत्रण उनकी रणनीति का अहम हिस्सा रहा है। फास्ट चार्जिंग, रेंज, वाहन का वजन उसी पर निर्भर करते हैं।

ज्यादातर कंप नियों की जुलाई से दिसंबर के बीच नियुक्ति करने की योजना: सर्वेक्षण

मुंबई । एक सर्वेक्षण में कहा गया है कि ज्यादातर कंपनियां 2023 की दूसरी छमाही में नियुक्ति करने की योजना बना रही हैं। इसमें नये पदों के अलावा रिक्त हुए स्थानों पर नियुक्तियां शामिल हैं। हाल ही में जारी किए गए एक सर्वेक्षण में यह कहा गया है। सर्वेक्षण के अनुसार अधिकतर कंपिनयों को जुलाई-दिसंबर की अवधि के दौरान व्यावसायिक विकास, विपणन व संचालन पदों पर नियुक्ति की उम्मीद है। सर्वेक्षण में 1,200 से अधिक भर्ती करने वाली इकाइयां और सलाहकारों ने हिस्सा लिया। यह सर्वेक्षण देशभर में कंपनियों तथा उद्योगों में भर्ती के रुझान को मापने के लिए साल में दो बार किया जाता है। नियुक्ति करने वाले करीब 92 प्रतिशत को उम्मीद है कि कंपनियां पेशेवरों की नियुक्त करेंगी। करीब 47 प्रतिशत भर्तीकर्ताओं ने नए पदों के अलावा कंपनियां छोड़कर जाने वाले लोगों के स्थान पर होने वाली नियुक्ति का अनुमान लगाया है, जबकि 26 प्रतिशत ने नई नौकरियों के सृजन की उम्मीद जताई है। निष्कर्षों के अनुसार नियुक्ति करने वाली करीब 20 प्रतिशत इकाइयों ने कहा कि वे वर्ष के आखिरी छह महीने में अपने कर्मचारियों की संख्या यथावत बनाए रखेंगे और केवल चार प्रतिशत ने इस अवधि के दौरान छंटनी या संख्या में कमी की आशंका जताई है।

किआ की सेल्टॉस फेसलिफ्ट बाजार में लॉन्च

-3 कारें बाजार में मचाएंगी तहलका

नई दिल्ली ।

हाल ही में किआ कंपनी ने सेल्टॉस फेसलिफ्ट को बाजार में लॉन्च किया। 1 महीने में ही सेल्टॉस की 30 हजार से ज्यादा बुकिंग हो गई हैं।लांच के साथ कॉम्पैक्ट एसयूवी के बाजार में तहलका मच गया। आने वाले कुछ समय में ही कंपनी 3 नई कारें बाजार में उतारने जा रही हैं। सेल्टॉस के बाद अब किआ सोनेट के फेसलिफ्ट पर काम कर रही है। इसको रोड टेस्ट के दौरान कई बार स्पॉट भी किया जा चुका है। सोनेट फेसलिफ्ट को लेकर खबर है कि इसमें डिजाइन से लेकर फीचर्स तक के कई बदलाव होंगे। कार के केर्बा न को पूरी तरह से नया लुक दिया जाएगा। कंपनी इसमें,ष्ठस सहित करीब 10 नए फीचर्स देने की तैयारी कर रही है। कार में 6 एयरबैग, वीएसएम, एबीएस, ईबीडी, ईएससी, टीपीएमएस और फ्रंट व रियर पार्किंग सेंसर के साथ 360 डिग्री कैमरा भी दे सकती है। हालांकि माना जा रहा है कि इंजन कार में वही रखा जाएगा। किआ ने कुछ समय पहले ही कार्निवाल को डिस्कंटिन्यू किया था और अब खबर है कि कार्निवाल की नई जनरेशन को जल्द ही लॉन्च किया जा रहा है। ऑटो एक्सपो 2023 के दौरान कंपनी ने केए 4 एमपीवी को शोकेस किया था यही कार्निवाल की 4थीं जनरेशन है। इस बार कार्निवाल के कई डिजाइन के भी बदलाव किए जाएंगे और इसका व्हीलबेस पहले के मुकाबले 40 एमएम लंबा होगा। वहीं ये 10 एमएम चौड़ी होगी। कार में कई स्मार्ट फीचर्स दिए जाएंगे जिसमें अडास भी होगा। वहीं कार को 2.2 लीटर का टर्बो डीजल इंजन दिया जाएगा जो 199 बीएचपी की पावर और 440 एनएम का टॉर्क जनरेट करेगा। दूसरी ईवी किआ एक कॉम्पैक्ट एसयूवी के तौर पर लगा सकती है ये सोनेट और सेल्टॉस के बीच का मॉडल होगा। ये एक बॉक्सी डिजाइन के साथ आएगी और इसे लाइफ स्टाइल व्हीकल के तौर पर प्रोजेक्ट किया जाएगा।वहीं 2025 तक किआ अपनी दो नई इलेक्ट्रिक कार भी इंडियन मार्केट में लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। इनमें से एक ईवी को किआ बजट कार के तौर पर बाजार में उतारेगी। ईवी की रेंज को ज्यादा रखने पर फोकस किया जा रहा है ओर माना जा रहा है कि ये 400 से 500 किलोमीटर तक की रेंज वाली कारें होंगी।

हुंडई वेन्यू नाइट एडिशन लॉन्च

-ऑल पेंट के साथ ब्रास एक्सेंट का किया इस्तेमाल

नईदिल्ली ।

भारत में हुंडई मोटर ने हुंडई वेन्यू नाइट एडिशन को लॉन्च किया है। यह नया मॉडल पहले से ही लोकप्रिय मिड-साइज एसयूवी, क्रेटा नाइट एडिशन की लीग में शामिल हो गई है। इसके एक्सटीरियर में ऑल पेंट के साथ ब्रास एक्सेंट का इस्तेमाल किया गया है। नई वेन्यू नाइट एडिशन को सिग्नेचर ऑल-ब्लैक अपीयरेंस में पेश किया गया है। वेन्यू नाईट एडिशन को कंपनी ने एडिशनल फीचर्स के साथ 10 लाख रुपये की कीमत में लॉन्च किया है। इसके टॉप वेरिएंट की कीमत 13.48 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है। बता दें कि इस सेगमेंट में टाटा नेक्सॉन पहले से ही ब्लैक एडिशन में आ रही है। वेन्यू को नाईट एडिशन में लॉन्च करके कंपनी ने टाटा नेक्सॉन और मारुति ब्रेजा के सामने चुनौती खड़ी कर दी है। ब्लैक एडिशन वेन्यू के एक्सटीरियर में हुंडई लोगो के साथ काले रंग की फ्रंट ग्रिल, पीतल के रंग का फ्रंट और रियर बम्पर इंसर्ट, सामने के पहियों पर पीतल के रंग का इंसर्ट, पीतल के रंग की छत रेल इंसर्ट, डार्क क्रोम रियर हुंडई मोनिकर और नाईट एंब्लम के साथ हुंडई वेन्यू की बैजिंग मिलती है। इसके अलावा, इसमें ब्लैक-पेंटेड रूफ रेल्स, एक शार्क-फिन एंटीना और ब्लैक-पेंटेड ओआरवीएमएस हैं। फ्रंट ब्रेक कैलीपर्स को लाल रंग में हाइलाइट किया गया है, और बेस वेरिएंट के लिए काले रंग के अलॉय व्हील और व्हील कवर हैं। नाइट एडिशन के रंग विकल्पों में चार मोनोटोन और एक डुअल-टोन विकल्प शामिल हैं जिसमें एबिस ब्लैक, एटलस व्हाइट, टाइटन ग्रे, फिएरी रेड और एबिस ब्लैक के साथ फिएरी रेड जैसे रंग मिलते हैं। इंटीरियर में भी वेन्यू नाइट एडिशन में पूरी तरह ब्लैक अपहोलस्ट्री ब्रास एक्सेंट के साथ मिलती है। इसके इंजन में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नाईट एडिशन वेन्यू में स्टैंडर्ड मॉडल की तरह 1.2एल कप्पा पेट्रोल इंजन और 1.0एल टी जीडीआई- पेट्रोल इंजन मिलता है। वेन्यू नाइट एडिशन के ट्रांसमिशन विकल्पों में वेरिएंट के आधार पर 6 स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स और 7-स्पीड डीसीटी शामिल है। इसमें डुअल कैमरा डैशकैम और इलेक्ट्रोक्रोमिक आईआरवीएम मिलता है जो कि इसके एसएक्स वेरिएंट में उपलब्ध है।

केंद्र सरकार 25 रुपए किलो रियायती दर पर बेच रही प्याज

नई दिल्ली ।

सब्जियों की बढ़ती कीमतों के बीच महंगाई से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने उपभोक्ताओं को 25 रुपए किलो की रियायती दर पर प्याज बेचना शुरू कर दिया है, जिसकी शुरुआत दिल्ली से की गई है। इसका उद्देश्य सब्जियों में अनियंत्रित मुद्रास्फीति को रोकना है, जो जुलाई में 37 फीसदी तक बढ़ गई है जिससे घरेलू बजट बिगड़ गया है। सब्जियों की बढ़ती कीमतों के बीच सरकार ने पिछले महीने टमाटर को रियायती पर बेचने के लिए कदम उठाया था लेकिन जैसे ही टमाटर की कीमतें कम होती दिख रही हैं, दूसरी सब्जी और प्याज की कीमतें बढ़ रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक केंद्र सरकार ने 11 अगस्त को घोषणा की कि वह बाजारों प्याज की कमी को पूरा करने के लिए राज्य के स्वामित्व वाले भंडार से व्यापारियों और थोक खरीदारों को प्याज बेचेगी। अब तक लगभग 1400 टन प्याज चुनिंदा बाजारों में भेजा जा चुका है। सरकार ने 19 अगस्त को प्याज के निर्यात पर 40 फीसदी शुल्क भी लगाया है जिसका उद्देश्य स्थानीय आपूर्ति को बढ़ावा देना था। सब्जियों के साथ-साथ प्याज की कीमतों में आई तेजी को अधिकांश विश्लेषक मौसमी और अस्थाई वजह मान रहे हैं। कुछ अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है कि खाद्य पदार्थों की अत्यधिक ऊंची कीमतों के कारण मुद्रास्फीति और दुविधा में डाल सकती है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के एक बयान के अनुसार केंद्र सरकार ने 300,000 मीट्रिक टन के शुरुआती खरीद लक्ष्य को हासिल करने के बाद, इस साल अपने प्याज के भंडार को 500,000 टन तक बढ़ाने का फैसला किया है।

हिंडनबर्ग ने इस रिटेल ब्रोकरेज फर्म की लगा दी लंका

वाशिंगटन ।

साल 2023 की में शॉर्ट सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से भारतीय दिग्गज अडानी ग्रुप के शेयरों में तगड़ी गिरावट आई थी। आलम यह था कि एक दिन में अडानी समूह के शेयर 20-30 फीसदी तक टूट गए थे। भले ही अडानी ग्रुप ने रिपोर्ट में लगे आरोपों का खंडन किया, लेकिन तब तक निवेशकों को बड़ा नुकसान हुआ। हालांकि, ऐसा नहीं है कि हिंडनबर्ग सिर्फ अडानी समूह के लिए सिरदर्द बना। इसके पहले भी वह कई नामी कंपनियों के खिलाफ सनसनीखेज रिपोर्ट दे चुका है। अब हिंडनबर्ग ने एक और कंपनी के खिलाफ रिपोर्ट दी हैं। अपनी ताजा रिपोर्ट में हिंडनबर्ग ने कजाकिस्तान स्थित रिटेल ब्रोकरेज फर्म, फ्रीडम होल्डिंग कॉर्प पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया है, जिसका खुलासा हिंडनबर्ग ने किया। कजाकिस्तान स्थित रिटेल ब्रोकरेज फर्म, फ्रीडम होल्डिंग कॉर्प पर आरोप है कि वह रूस में बिजनेस करती है जो उस पर लगे प्रतिबंधों का उल्लंघन है। कंपनी का रेवेन्यू गलत है और ब्रोकरेज फर्म ने लोगों के पैसों को जोखिम वाले बाजार में लगा रखा है। फ्रीडम फाइनेंस, रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से कथित तौर पर रूस-आधारित ग्राहकों को अपनी सेवाएं प्रदान करके अमेरिकी और यूरोपीय प्रतिबंधों से बच रहा है। इस रिपोर्ट के आने के बाद ही दो दिन में कंपनी का मार्केट कैप 34.2 करोड़ डॉलर गिर चुका है। अडानी समूह के बाद हिंडनबर्ग रिसर्च ने ट्विटर के फाउंडर जैक डोर्सी को निशाना बनाया। हिंडनबर्ग ने डॉर्सी की मोबाइल पेमेंट कंपनी ब्लॉक को लेकर एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें कंपनी पर ग्राहकों व सरकार को धोखा देने के आरोप लगाए। इस रिपोर्ट के बाद कंपनी के मार्केट कैप में 8.7 अरब डॉलर की गिरावट आई थी।

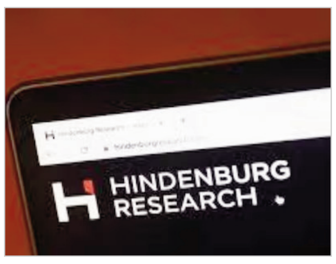

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रज्ञानानंदा फिडे शतरंज विश्वकप के फाइनल में पहुंचे

बाकू । भारत के 18 साल के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा फिडे शतरंज विश्वकप कप 2023 के फाइनल में पहुंच गये हैं। इसी के साथ ही वह सबसे कम उम्र में फाइनल में पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। दिग्गज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद के बाद प्रज्ञानानंदा ये उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी हैं। प्रज्ञानानंदा ने सेमीफाइनल में अमेरिका के दिग्गज खिलाड़ी फाबियानो करूआना को हराया। फाइनल में अब उनका मुकाबला पांच बार के विजेता नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन से होगा। इस मुकाबले को जीतकर उनके पास इतिहास रचने का अवसर है। प्रज्ञानानंदा ने इससे पहले विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा और नंबर-3 फाबियानो करूआना को भी शिकस्त दी थी। वहीं प्रज्ञानानंदा ने जीत के बाद कहा कि मुझे फाइनल में पहुंचने और कार्लसन से सामना होने की उम्मीद नहीं थी। प्रज्ञानानंदा ने फिडे में फाइनल तक का सफर तय करने के साथ ही अगले साल कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी प्रवेश हासिल कर लिया है। प्रज्ञानानंदा के फाइनल में पहुंचने से उनके घर में खुशी का माहौल है। वहीं महान शतरंज खिलाड़ी आनंद ने प्रज्ञानानंद की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उसने शानदार प्रदर्शन किया है। इसके साथ ही नामी कोच आर बी रमेश ने भी उन्हें जीत पर बधाई दी है।

आयरलैंड के खिलाफ क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

आवेश , जितेश और मुकेश को मिल सकता है अवसर

शाम 7:30 बजे से होगा मैच

डबलिन ।(एजेंसी)

भारत और आयरलैंड की टीमें बुधवार को यहं तीसरे और अंतिम टी20 में उतरेंगी। भारतीय टीम ने पहले दोनो ही मैच जीते हैं। ऐसे में उसे 2-0 की बढ़त मिली हई है। अब भारतीय टीम इस तीसरे मैच को जीतकर 3-0 से क्लीन स्वीप करना चाहेगी। पहले दोनो ही मैच में भारतीय टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी में विरोधी टीम पर हावी रही है। ऐसे में इस मैच में उन रिजर्व खिलाड़ियों आवेश खान, जितेश शर्मा और शाहबाज अहमद को अवसर मिल सकता है जो अवसर मिल सकता है। जो अभी तक बाहर रहे हैं। वहीं कप्तान जसप्रीत बुमराह ने इस सीरीज से अच्छी वापसी की है पर आगामी विश्वकप को देखते हुए उन्हें इस मैच में गेंदबाजी के अपने कार्यभार और टीम की 'बेंच स्ट्रैंथ के साथ तालमेल बनाना होगा। बुमराह ने पहले दोनों मैचों में आठ ओवर किए जिनमें वह सहज नजर आए। बुमराह के अलावा प्रसिद्ध कृष्णा ने भी वापसी के बाद से ही अब तक अच्छी गेंदबाजी की है। इस सीरीज से भारतीय खिलाड़ियों को एशिया कप के पहले भी लय हासिल करने का अवसर मिला है। बुमराह और कार्यवाहक कोच सितांशु कोटक के पास इस दौरे पर गए रिजर्व खिलाड़ियों को अवसर देने के लिए इस मैच में अच्छा अवसर है क्योंकि सीरीज पहले ही भारतीय टीम के कब्जे में आ गयी है।

तेज गेंदबाज आवेश को इससे पहले वेस्टइंडीज सीरीज में भी अवसर नहीं मिला था। वह लगातार सात मैचों से बैंच पर हैं। ऐसे में अगर उन्हें बाहर रखा जाता है तो उनका मनोबल टूटेगा। इसी प्रकार इस मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की जगह पर जितेश शर्मा को अवसर मिलने की भी संभावना है। जितेश भी काफी समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए अपना दावा पेश कर रहे हैं। वह विकेटकीपर होने के साथ ही अच्छे बल्लेबाज भी हैं। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को लगातार मौके मिले हैं, इसलिए इस मैच में उन्हें आराम देकर उनकी जगह पर आवेश या मुकेश कुमार को अवसर दिया जा सकता है।

रिंकू सिंह ने दूसरे मैच में आक्रामक बल्लेबाजी कर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। ऐसे में वह एक फिनिशर की भूमिका निभा सकते है। रिंकू के अलावा यशस्वी जायसवाल और रुतुराज गायकवाड भी अच्छा प्रदर्शन जारी रख भारतीय टी20 टीम में अपनी दावेदारी पेश करेंगे। वहीं दूसरी ओर मेजबान आयरलैंड इस मैच को जीत कर अपनी प्रतिष्ठा बचाना चाहेगी हालांकि ये इतना आसान नहीं है। वह भारतीय टीम के सामने अब तक किसी भी क्षेत्र में नहीं टिक पायी है। जीत के लिए उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दोनो ही संभावित टीमें इस प्रकार हैं।

भारत : जसप्रीत बुमराह (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, यशस्वी जायसवाल, संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई

आयरलैंड : पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), एंड्र्यू बालबर्नी, लोर्कन टकर (विकेटकीपर), हैरी टेक्टर, कर्टिस कैम्फर, जॉर्ज डॉकरेल, मार्क अडायर, बैरी मैक्कार्थी, क्रेग यंग, जोशुआ लिटिल, बेंजामिन व्हाइट

जीत की खुशी में जोकोविच ने अपनी टी-शर्ट फाड़ी

सिनसिनाटी ।(एजेंसी)

सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच तीसरी बार सिनसिनाटी मास्टर्स खिताब जीतने के बाद खुशी में कुछ ज्यादा ही भावुक हो गये और उन्होंने अपनी टी-शर्ट तक फाड़ दी। जोकोविच ने इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्काराज को हराया था। इसी के साथ ही उन्होंने गत माह मिली हार का हिसाब भी बराबर कर दिया था। इस मुकाबले में अल्काराज से हाथ मिलाने के लिए नेट पर जाने से पहले जोकोविच पीठ के बल हाथ और पैर को फैलाकर कोर्ट पर ही लेट गए थे। इसके बाद उन्होंने कोर्ट के चारों ओर चक्कर लगाए और बटनों को अलग करते हुए अपनी शर्ट को फाड़ दिया। उनकी टीशर्ट फाड़ने की वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई है। गौरतलब है कि जोगकोविच कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण दो साल से अमेरिका में नहीं खेल पाये थे। इस साल वह अमेरिका में पहली बार खेल रहे थे। उन्होंने अल्काराज से हुए मुकाबले की तुलना साल 2012 के ऑस्ट्रेलियाई ओपन फाइनल से की, जब उन्होंने स्पेन के रफल नडाल को पांच घंटे 53 मिनट में हराया था। अल्काराज से हुए मुकाबले को बेहद कठिन बताते हुए इस खिलाड़ी ने कहा कि मैंने अपने जीवन में इस तरह के कुछ ही मुकाबले खेले हैं। साथ ही विरोध खिलाड़ी की तारीफ करते हुए कहा कि वह परिपक्व तरीके से खेलते हैं और दबाव से अच्छी तरह से निपटते हैं। साथ ही कहा कि इस मुकाबले में हर अंक के लिए जमकर संघर्ष हुआ।

युनम पर्वत फतह कर बिंदिया ने बनाया इतिहास

शिमला । हिमाचल प्रदेश की बिंदिया ने लाहौल स्थित 6,111 मीटर (20,100 फ़ीट) ऊंची युनम चोटी को फतह कर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी बिंदिया को बधाई दी। बिंदिया एकमात्र महिला पुलिस कर्मी है, जिसने 15 अगस्त को युनम पर्वत पर जाकर तिरंगा फहराया। गत 14 अगस्त को बिंदिया अपने दल के साथ युनम के लिए रवाना हुई थी। गत 15 अगस्त की सुबह वह शिखर पर पहुंचीं। बिंदिया ने इसी के साथ ही एक रिकार्ड अपने नाम किया है। बिंदिया ने अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान, मनाली से मूलभूत एवं उच्च प्रशिक्षण प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री ने बिंदिया की प्रशंसा करते हुए उसे आगामी अभियानों के लिए शुभकामनाएं भी दी हैं। बिंदिया साल 2015 में वह पुलिस विभाग में बतौर कांस्टेबल भर्ती हुई और जंगलबैरी में वर्ष 2020 से सेवारत हैं। बिंदिया ने अलग-अलग राज्यों के नौ लोगों के साथ यूनम पर्वत पर पहुंचने के लिए 12 अगस्त से अपना अभियान शुरु किया था।

शाकैरी विश्व की सबसे तेज महिला एथलीट बनी

100 मीटर दौड़ में पहले स्थान पर रही

बुडापेस्ट ।(एजेंसी)

अमेरिका की शाकैरी रिचर्डसन धरती की सबसे तेज महिला एथलीट बनी है। कैरी ने विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में कई दिग्गज एथलीटों को हराकर नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार इस अमेरिकी एथलीट ने नौवीं लेन से शुरुआत करते हुए 10.65 सेकंड में दौड़ पूरी कर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। इसका मुकाबला जमैका की शेली-एन फ्रेजर-प्राइस और शेरिका जैक्सन जैसी एथलीटों से हुआ। फ्रेजर-प्राइस ने सत्र का सर्वश्रेष्ठ समय 10.77 सेकंड निकाला जबकि कैरी ने 10.72 सेकंड में ही रेस पूरी कर दी।

शाकैरी ने जीतने के बाद कहा,मैं यहां हूं। मैं चैंपियन हूं। मैंने आप सभी को बताया था। मैं वापस नहीं आयी हूं, मैं बेहतर हूं। इससे पहले वह कैनाबिस के सेवन के कारण टोक्यो ओलंपिक खेलों में भाग नहीं ले पायीं थीं। वहीं गत वर्ष की विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायीं थीं। वहीं पुरुषों की ट्रिपल जंप में, ह्यूजेस फैब्रिस ज़ैंगो ने 17.64 मीटर की छलांग के साथ बुर्किना फासो के उद्घाटन विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही 17.41 मीटर और 17.40 मीटर की छलांग के साथ क्यूबा की जोड़ी लाज़ारो मार्टिनेज और क्रिस्टियन नेपोल्स दूसरे स्थान पर रहे। इसके अतिरिक्त, स्वीडन के ओलंपिक चैंपियन डैनियल स्टाल ने 71.46 मीटर के साथ पुरुषों के डिस्कस थ्रो का खिताब जीतकर चैंपियनशिप रिकॉर्ड तोड़ दिया। स्लोवेनियाई क्रिस्टजन सेह ने 70.02 मीटर के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि लिथुआनिया के मायकोलास एलेकना ने 68.85 मीटर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

संक्षिप्त समाचार

चुनाव आयोग ने सचिन को बनाया 'नेशनल आइकॉन'

मतदाताओं को जागरुक करेंगे

मुम्बई ।(एजेंसी)

चुनाव आयोग ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को मतदाताओं को जागरुक और शिक्षित करने के लिए 'नेशनल आइकॉन' (राष्ट्रीय प्रतीक) बनाया है। ऐसे में अब सचिन देशभर में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मैदान पर उतरेंगे। चुनाव आयोग ने मंगलवार को जारी अपने एक बयान में कहा कि तेंदुलकर चुनाव आयोग के मतदाता जागरूकता और शिक्षा के लिए राष्ट्रीय आइकन के रूप में एक नई पारी शुरू करेंगे। चुनाव आयोग ने सचिन को इसलिए प्रतीक बनाया है जिससे कि आगामी चुनावों और खासकर 2024 के लोकसभा चुनावों में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ायी जा सके। उनका काम मतदाताओं को को जागरूक करना रहेगा। इस साझेदारी से चुनाव आयोग का लक्ष्य नागरिकों, विशेषकर युवाओं और शहरी आबादी और चुनावी प्रक्रिया के बीच अंतर को कम करना भी है। इससे शहरी और युवाओं की मतदान के प्रति उदासीनता की चुनौतियों को भी दूरे करने का प्रयास किया जाएगा। आयोग ने 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एम.एस.धोनी, और बॉक्सिंग चैंपियन मैरी कॉम को मतदाताओं को जागरुक करने की जिम्मेदारी दी थी।

राहुल और अय्यर को शामिल करने के लिए रोहित और अगरकर पर भड़के मदनलाल

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

पूर्व क्रिकेटर मदन लाल ने एशिया कप के लिए घोषित टीम में केएल राहुल और श्रेयस अय्यर को शामिल करने के लिए कप्तान रोहित शर्मा और चयन समिति के प्रमुख अगरकर को आड़े हाथों लिया है। मदन लाल ने कहा कि जब राहुल और अय्यर पूरी तरह से फिट नहीं हैं तो इन्हें किस आधार पर शामिल किया गया है। मदन लाल ने कहा, मुझे नहीं लगता कि टीम प्रबंधन और चयनकर्ता अभी भी इस बात को लेकर पक्के तौर पर कह सकते हैं कि राहुल पूरी तरह से फिट हैं या नहीं। इसके अलावा टीम में श्रेयस अय्यर को रखा गया है जिनकी फिटनेस को लेकर भी स्थिति साफ नहीं है। इन दोनों ने ही कोई प्रतिद्वंद्वी क्रिकेट नहीं खेला है, उन्हें तब चुना जाना चाहिए था, जब वह मैच फिटनेस साबित कर चुके होते। नेट्स में बल्लेबाजी करना और लाइव मैच में बल्लेबाजी करना दो एकदम अलग बातें हैं। वहीं इससे पहले राहुल और अय्यर की टीम में वापसी पर अगारकर ने कहा था, अय्यर को पूरी तरह से फिट घोषित किया गया है, वहीं राहुल को हल्की चोट है। यह उनकी पहले वाली चोट नहीं है, और इसलिए हमने संजू सैमसन को बैकअप के तौर पर रखा है। हम सभी चाहते हैं कि राहुल पूरी तरह से फिट रहें, अगर वह एशिया कप के शुरुआती मैच में नहीं खेल पाते हैं तो कम से कम दूसरे या तीसरे मैच में उतरे। विश्वकप को देखते हुए इन दोनो को ही अपनी लय हासिल करने के लिए शामिल किया गया है।

अगरकर ने बताया चहल को एशिया कप के लिए शामिल नहीं किये जाने का कारण

कुलदीप उनसे बेहतर प्रदर्शन कर रहे

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को एशिया कप के लिए चयचिन 17 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल नहीं किये जाने पर कई सवाल उठे हैं। चहल ने हाल के दिनों में अच्छा प्रदर्शन किया था। फिर भी उनकी अनदेखी हो रही है। इसी को लेकर अब चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर सामने आये हैं। अगरकर ने चहल को टीम में जगह नहीं मिलने पर अपनी सफाई दी है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम के गेंदबाजी लाइनअप में छह तेज गेंदबाजों के अलावा, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा जैसे तीन स्पिनर शामिल किये गये हैं। अगरकर ने कहा कि टीम में दो कलाई के स्पिनरों के जरुरत नहीं रहती है। वहीं कुलदीप को इसलिए उनपर वरीयता दी गयी है क्योंकि वह कई मामलों में चहल से आगे रहे हैं। उन्होंने कहा कि चहल एक अच्छे खिलाड़ी हैं पर टीम संयोजन को ध्यान में रखते हुए ही हमें फैसला लेना होता है। अक्षर पटेल को इसलिए जगह मिली क्योंकि वह बल्लेबाज भी कर लेते हैं। इससे टीम को निचले स्तर पर एक बल्लेबाज का विकल्प भी मिल जाता है। कुलदीप ने हाल के दिनों में गेंद और बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया है। कुलदीप अच्छी फॉर्म में भी हैं, उन्होंने 2022 की शुरुआत से 19 एकदिवसीय मैचों में 34 विकेट लिए हैं जबकि चहल ने इस साल केवल दो एकदिवसीय मैच में तीन विकेट लिए हैं। एशिया कप के लिए भारत की टीम में एक भी ऑफ-स्पिनर नहीं है। अधिक तेज गेंदबाज रखने के साथ ही बल्लेबाजी में गहराई लाने के लिए भारतीय टीम को इस संयोजन के साथ मैदान में उतरना होगा। वहीं कप्तान रोहित ने कहा कि चहल भी अच्छे खिलाड़ी हैं पर हमें अक्षर को रखने से एक बल्लेबाज भी मिलता है। साथ ही कहा कि अश्विन-चहल और वाशिंगटन सुंदर सभी विश्व कप की योजनाओं में शामिल हैं। साथ ही कहा, इनके लिए टीम में शामिल होने के दरवाजे बंद नहीं हुए हैं।

तिलक को शामिल करना एक साहसिक फैसला: मूडी

चेन्नई । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर टॉम मूडी ने आगामी एशिया कप के लिए युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को भारतीय टीम में शामिल करने के लिए चयनकर्ताओं की प्रशंसा की है। मूडी ने इसे एक साहसिक फैसला बताया है। तिलक को कप्तान रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और सूर्यकुमार यादव के साथ छठे विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में टीम में जगह मिली है। मूडी ने कहा कि मुझे लगता है कि यह एक अद्भुत चयन है। मैं इसे साहस के साथ ही एक समझदारी भरा फैसला मानता हूं। उन्होंने कहा कि वह तेजी से उभरता हुआ खिलाड़ी है। वह कौशल में बेहतर होने के साथ एक मजबूत मानसिकता वाला खिलाड़ी भी है। वह अपनी बल्लेबाजी से लगातार अपने तकनीकी कौशल को साबित कर रहा है। मूडी ने कहा कि तिलक के होने से 5वें या छठे क्रम पर भारतीय टीम को लाभ होगा क्योंकि वह स्पिनरों को काफी अच्छे से खेलता है। तिलक को आईपीएल के बाद घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के आधार पर टीम में जगह मिली थी। इस बल्लेबाज ने वेस्टइंडीज में अपने प्रदर्शन से साबित किया है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने के लिए अब तैयार है।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम जीती

डसेलडोर्फ ।(एजेंसी)

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने यहां चार देशों के टूर्नामेंट में इंग्लैंड को 4-0 से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम छायी रही और विरोधी टीम को कोई अवसर नहीं मिला। भारत की ओर से राजिंदर सिंह ने 13वें मिनट, आमिर अली ने 33वें मिनट, अमनदीप लाकड़ा 41वें मिनट और अरिजीत सिंह हुंदल ने 58वें मिनट में गोल दागे। भारत ने इस मैच में अच्छी शुरुआत करते हुए 13वें मिनट में ही बढ़त हासिल कर ली। राजिंदर ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत का खाता खोला। वहीं एक गोल से पीछे होने के बाद इंग्लैंड ने दूसरे क्वार्टर में कई हमले बोले पर उसे सफलता नहीं मिली। लेकिन टीम को गोल करने में सफलता नहीं मिली। इस मैच में मध्यांतर तक भारतीय टीम 1-0 से आगे थी। वहीं तीसरे क्वार्टर में आमिर ने एक मैदानी गोल कर भारतीय टीम को 2-0 से बढ़त दिला दी। इसके बाद भारतीय टीम ने अपने हमले तेज कर दिये। इसके बाद अमनदीप ने तीसरे क्वार्टर के अंत में पेनल्टी कॉर्नर पर एक और गोल के साथ ही टीम को 3-0 से आगे कर दिया। अरिजीत ने मैच समाप्त होने से कुछ मिनट पहली ही एक और गोल दागकर भारतीय टीम को 4-0 की जीत दिला दी। वहीं इंग्लैंड ने अंतिम क्वार्टर में कई हमले किए पर वह गोल करने में विफल रही।

निशानेबाज सिफ्त को मिला पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा

बाकू ।(एजेंसी)

भारतीय निशानेबाज सिफ्त कौर समरा विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में 5वें स्थान पर रही हैं। इसी के साथ ही पेरिस ओलंपिक के लिए भारत को छठा ओलिम्पिक कोटा मिला है। सिफ्त ने इस माह की शुरुआत में ही चीन के चेंगदू में हुए विश्व विश्वविद्यालय खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। तब इस खिलाड़ी ने फाइनल में 429.1 का स्कोर बनाया था। सिफ्त क्वालीफिकेशन दौर में 589 अंक के साथ ही 5वें स्थान पर रहीं थी। उन्होंने 'नीलिंग में 192 का स्कोर करने के बाद 'प्रोन और 'स्टैंडिंग में 199 और 198 अंक हासिल किए थे। सिफ्त फाइनल में 'नीलिंग चरण के बाद 8वें स्थान पर फिसल गई थी। उन्होंने इसके बाद 'प्रोन और 'स्टैंडिंग में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 5वां स्थान हासिल किया। वहीं इस स्पर्धा में चीन की झांग कियोनग्यू ने 465.3 अंक हासिल कर स्वर्ण जबकि हान जियाये ने 463.5 अंक हासिल कर रजत पदक अपने नाम किया है। वहीं अमरीका की सेगेन मैडालेना ने 451.9 का स्कोर बनाने के साथ ही तीसरा स्थान हासिल किया। सिफ्त 589, आशी चौकसे 590 और मानिनी कौशिक 582 की भारतीय तिकड़ी 1761 के कुल स्कोर के साथ ही टीम स्पर्धा में 5वें स्थान पर रही। वहीं विश्व कप पदक तालिका में भारत ने 4 स्वर्ण और 3 कांस्य पदक के साथ ही तीसरा स्थान हासिल किया। शीर्ष 2 स्थानों पर चीन और अमेरिका हैं। भारत ने अब तक कुल 6 ओलिम्पिक कोटा हासिल किए है। इससे पहले मेहुली घोष (महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल) और 28 वर्षीय अखिल श्योराण (50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन) और भवनीश मेंदिरत्ता (पुरुष ट्रैप), गत विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल (पुरुष 10 मीटर एयर राइफल), स्वप्निल कुसाले (पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन) ने भी ओलंपिक कोटा हासिल किये थे।

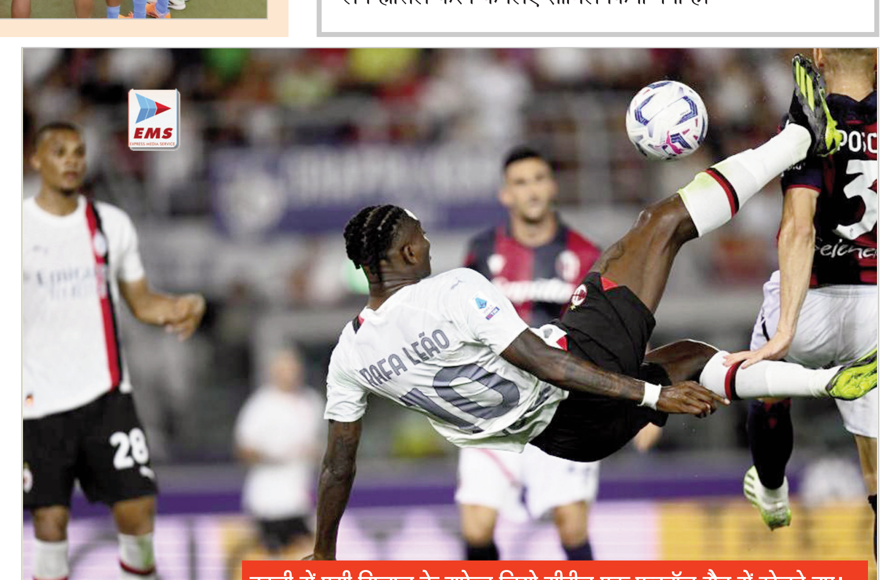

इटली में एसी मिलान के राफेल लियो सीरीज एक फुटबॉल मैच में खेलते हुए।

ये टिप्स अपनाएंगे तो हर कोई हो जाएगा आपके पर्सनैलिटी का फैन

आप पर्सनालिटी डेवलपमेंट शब्द को परिभाषित करने का प्रयास करते हैं तो आपके मन में क्या ख्याल आता है? क्या आपको लगता है अच्छे कपड़े पहनना या अंग्रेजी बोलना या फिर लोगों से मिलना पर्सनालिटी डेवलपमेंट है? तो जवाब मिलेगा नहीं। केवल यह शब्द मिलकर पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य नहीं करते बल्कि कई ऐसी चीजें हैं जो पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं। आइए कुछ टिप्स के विषय में जान लेते हैं जो पर्सनैलिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं।

कॉन्फिडेंस बनाएं रखें

किसी भी कार्य को आसान करने का सबसे पहला मंत्र है कॉन्फिडेंस। अगर आप किसी भी काम करते समय कॉन्फिडेंस रखते हैं तो आप किसी भी समस्या का हल ढूंढ सकते हैं। कॉन्फिडेंस से भरे लोगों से हर व्यक्ति आकर्षित हो जाता है। अगर आप अपनी पर्सनालिटी को अच्छे से डेवलप करना चाहते हैं को खुद में कॉन्फिडेंस बिल्ड करने का प्रयास करें। कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए आप ज्यादा से ज्यादा पढ़ना शुरू करें और नए-नए विषयों को एक्सप्लोर करना शुरू करें।

हर विषय पर ओपिनियन बनाने का प्रयास करें

अगर आप खुद को दूसरों से अलग बनाना चाहते हैं तो प्रयास करें कि आप हर विषय में अपना एक ओपिनियन बनाएं ताकि कभी आपसे पूछा जाए तो आप जवाब दे सकें। लेकिन ध्यान रखें कि बिना मांगे ओपिनियन देने से आपकी पर्सनालिटी को नेगेटिव रूप में भी प्रदर्शित कर सकता है।

अच्छे श्रोता बनें

हम हमेशा उन लोगों को दूसरे के मुकाबले अधिक तवज्जो देते हैं जो हमारी बातों को सुनते हैं। कई लोग ऐसा मानते हैं कि अच्छा श्रोता होना एक अच्छे व्यक्तित्व की निशानी है। अगर आप भी अपनी पर्सनालिटी को बेहतर बनाना चाहते हैं तो लोगों को सुनना शुरू करें और एक अच्छा श्रोता बनने का प्रयास करें।

बॉडी लैंग्वेज को सुधारें

पर्सनैलिटी डेवलपमेंट के लिए बॉडी लैंग्वेज पर काम करना बेहद जरूरी है। आपकी बॉडी लैंग्वेज भी आपके बारे में कई बातें बताती है। आपके चलने, बैठने, बातें करने या खाने के तरीके सहित सब कुछ आपके आस-पास के लोगों पर प्रभाव डालता है। अच्छी बॉडी लैंग्वेज एक अच्छी पर्सनालिटी की तरफ कार्य करती है।

इन तरीकों से खुद को कर सकते हैं जॉब में मोटिवेट

आज के दौर में जब जॉब की इतनी बहुतायत है, वहीं लोगों में उस जॉब को पानी के लिए जरूरी स्किल्स की कमी है। अक्सर ऐसा देखने में आता है कि कुछ लोगों में अपनी सब्जेक्ट की नॉलेज तो है, पर कहीं न कहीं कई ऐसी वजहें होती है जो उन्हें अपने फील्ड में बहुत अच्छा करने से रोकती हैं। ये लोग डिमोटिवेट होते हैं। तो आइए जानते हैं खुद को मोटिवेट कैसे किया जाए

- खुद को शांत रखना सीखिए। ऐसा करने से आपका दिमाग ठीक तरीके से काम करता है और आप किसी भी समस्या का सामना कर सकते हैं।
- ऐसे विचारों को माइंड में कभी न लाएं जो आपके किसी अच्छे काम को प्रभावित करें। हम अक्सर दूसरों से राय लेने में नहीं चूकते। जब कुछ नया करने जा रहे होते हैं। अब यह निर्भर करता है कि जिससे आपने राय ली है, वह आपका हित चाहने वाला है या नहीं, तो तुरंत किसी की बात को न मानें। उस पर विचार करें। उसके बाद ही कोई कदम उठाएं।
- अगर आप किसी काम के लिए जा रहे हों तो अपने डर पर विजय हासिल करें। कॉन्फिडेंट रहिए, डर दूर करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप सामने वालों को भी अपनी ही तरह एक आम इंसान ही समझें। सोचिए कि अगर आप किसी ऊंची पोस्ट पर होते हैं तो सब आपके हाथ में होता।
- जब आप कोई इंटरव्यू के लिए जा रहे हों तो ये सोचिए कि आप कई इंटरव्यू दे चुके हैं। भले ही यह आपका पहला इंटरव्यू रहो। इससे आपका कॉन्फिडेंस हाई रहेगा। अपनी सक्सेस को हमेशा अपने साथ लेकर चलें। यह कभी न सोचें कि अगर सिलेक्शन न हुआ तो।
- जब आप किसी इंटरव्यू के लिए जाएं तो अपना बेस्ट देने की कोशिश करें। अपनी कमियों को खुद पर हावी न होने दें। जो भी स्किल या नॉलेज आपके पास है उसे बेहतर ढंग से एक्सप्रेस करें।
- साफ-सुथरी बात सभी को अच्छी लगती है। आपका बात करने का अंदाज विनम्र होना चाहिए। साथ ही स्पष्ट और कम शब्दों में होना चाहिए।

बहुत बड़ा है एविएशन इंडस्ट्री का दायरा

अगर आप भी एविएशन इंडस्ट्री में अपना करियर बनाने की सोच रहे हैं, लेकिन अपने आप को पायलट व केबिन क्रू बनने के काबिल नहीं पाते, तो निराश मत हो, क्योंकि इसके अलावा भी अब इस सेक्टर में कई डिपार्टमेंट ऐसे हैं जहां आप अपना करियर बना सकते हैं। ज्यादातर लोग एविएशन क्षेत्र के दायरे को पायलट, एयर होस्टेज व केबिन क्रू तक सीमित कर देते हैं, लेकिन इसका दायरा बहुत बड़ा है। आप इस इंडस्ट्री में एयरपोर्ट मैनेजमेंट, एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ, फ्लाइट इंजीनियर, एयर टिकटिंग, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स, एयर कार्गो मैनेजमेंट, मीटिरियोलॉजिस्ट आदि जॉब प्रोफाइल पर भी कार्य कर सकते हैं।

ग्राउंड स्टाफ

एविएशन इंडस्ट्री में ग्राउंड स्टाफ महत्वपूर्ण होते हैं। इनका कार्य एयरपोर्ट की साफ-सफाई के साथ उसके रखरखाव करना है। एयरपोर्ट पर प्लेन जब उतर जाता है, तो उसके बाद पैसेंजरों की सुविधा और सुरक्षा का ध्यान रखना होता है। इसके साथ ही एयरपोर्ट पर सामान ढुलाई और माल स्टॉक का कार्य भी ग्राउंड स्टाफ को ही कराना होता है। ग्राउंड स्टाफ की एयरपोर्ट पर अलग-अलग कार्य की जिम्मेदारी संभालते हैं। एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ में करियर बनाने के लिए आप एयरपोर्ट मैनेजमेंट से रीलेटेड सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, बैचलर और मास्टर लेवल के कोर्स कर इस फील्ड में प्रवेश कर सकते हैं। 12वीं के बाद आप इस सेक्टर में प्रवेश कर सकते हैं।

एयर कार्गो मैनेजमेंट

इस जॉब प्रोफाइल पर रहकर करियर बनाने के लिए आपको डिप्लोमा इन इंटरनेशनल एयर कार्गो मैनेजमेंट कोर्स करना होगा। जिसमें आप एविएशन हिस्ट्री एवं जियोग्राफी के अतिरिक्त कार्गो लॉ, कस्टम्स रूल्स, वेयरहाउसिंग, एयरक्राफ्ट लिमिटेशन व लोडिंग कैपेसिटी, क्लीयरेंस प्रोसिजर, क्लेम रूल्स, बीमा और फ्री ट्रेड जोन जैसे विषयों से रूबरू होंगे। इस क्षेत्र में भी प्रवेश के लिए आपको न्यूनतम 12वीं की शैक्षणिक योग्यता होना जरूरी है। यह कोर्स आपको 6 माह से 1 वर्ष तक का होता है।

एयर टिकटिंग

एविएशन के एयर टिकटिंग में करियर बनाने के लिए न्यूनतम 12वीं की शैक्षणिक योग्यता के साथ 18 वर्ष से ऊपर की आयु होनी चाहिए। न्यूनतम 6 माह से 9 माह तक की अवधि वाले कोर्स डिप्लोमा इन एयर टिकटिंग एंड ट्रैवल मैनेजमेंट में ट्रैवल एजेंसी बिजनेस, वर्ल्ड टाइम जोन, एयरपोर्ट व एयरलाइन कोड्स, पेमेंट मोड्स, फॉरेन करेंसी, पासपोर्ट व वीजा आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

फ्लाइट इंजीनियर

एविएशन के क्षेत्र में फ्लाइट इंजीनियर का कार्य बहुत अहम होता है। प्लेन के सभी पुर्जों की जांच करना इनकी जिम्मेदारी होती है। इसके लिए इलेक्टॉनिक्स इलेक्ट्रिकल्स, मैकेनिकल, एयरोनॉटिकल या कम्प्यूटर में से किसी एक में ग्रेजुएशन होना जरूरी है। अगर आपके पास फ्लाइट इंजीनियर का ग्राउंड पाठ्यक्रम या एयर क्राफ्ट इंजीनियर लाइसेंस या सीपीएल है तो आप अप्लाई कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपने 12वीं विज्ञान विषयों से पास की हो और आपकी उम्र तीस साल से ज्यादा ना हो, तो आप इसमें करियर बना सकते हैं।

एयर ट्रैफिक कंटोलर्स

एविएशन के क्षेत्र में यह एक और महत्वपूर्ण जॉब प्रोफाइल है। एयरपोर्ट पर बने टॉवर से एयर ट्रैफिक कंटोलर्स हर वक्त प्लेन की उड़ानों पर नजर रखते हैं। इस फील्ड में करियर बनाने के आपको रेडियो इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोनिक इंजीनियरिंग बीटेक या डिप्लोमा करना होगा।

मीटिरियोलॉजिस्ट

एविएशन में मीटिरियोलॉजिस्ट का भी बड़ा रोल होता है। इसमे कैरियर बनाने के लिए अगर आपके पास मौसम विज्ञान, भौतिक, कम्प्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, गणित और दूरसंचार में ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री है तो आप इसके लिए अप्लाई करने योग्य हैं।

टूर एंड ट्रैवल

अगर आप एविशन के क्षेत्र में रहकर अतिरिक्त कमाई करना चाहते हैं तो टूर एंड ट्रैवल आपके लिए बेस्ट होगा, इस क्षेत्र में आपको बहुत काम मिलेगा। इस क्षेत्र में आने के लिए आप 6 माह का सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर तीन वर्षीय बैचलर इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट और उसके बाद पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स भी कर सकते हैं।

यहां से कर सकते हैं कोर्स

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स, नई दिल्ली
- फ्रांकलिन एविएशन एकेडमी, दिल्ली
- विंग्स कॉलेज ऑफ एविएशन टेक्नोलॉजी, पुणे
- ए जे एविएशन एकेडमी, मुम्बई
- राजीव गांधी एविएशन एकेडमी, हैदराबाद
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स साइंस, जमशेदपुर
- हिंदुस्तान एविएशन एकेडमी, बंगलूरू

क्या है आर्किंयोलॉजी? किस कोर्स के बाद मिलेगी हाई सैलरी

अगर आप इतिहास से लगाव रखते हैं और आप रोमांच के साथ रहस्य से पर्द उठाना चाहते हैं। साथ ही आपमें ऐतिहासिक चीजों को जानने और उनके बारे में तरह-तरह की जानकारियां पता करने की इच्छा है तो आप आर्किंयोलॉजिस्ट के तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। इतिहास और भूगोल के रहस्यों से पटे भारत में इसके अच्छे

हड़प्पा सभ्यता के बाद से भारत में ऐतिहासिक खोज न के बराबर हुई है और फिलहाल इतिहास संबंधित खोज को लेकर एक बड़ा वैक्यूम यहां बना हुआ है, जो बड़े आइडियाज और क्रिएटिविटी का इंतजार कर रहा है। इसके साथ ही दुनियाभर में शोध के लिए आर्किंयोलॉजी के विद्यार्थियों की मांग है।

क्या है आर्किंयोलॉजी

पृथ्वी पर छपी पुरानी सभ्यता और संस्कृति का वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन करना व उनकी खोज करना आर्किंयोलॉजी कहलाता है। आर्किंयोलॉजी में उस इतिहास के बारे में यह जानने की कोशिश की जाती है कि पुरानी सभ्यताओं में लोगों का रहन- सहन कैसा था। किस तरह की वस्तुओं का वो इस्तेमाल करते थे। अनुमानों

लेकर तत्कालीन समाज और परिवेश के आकलन का काम भी एक आर्किंयोलॉजिस्ट को करना होता है। साथ ही वह कार्बन डेटिंग और समय गणना का काम भी करता है। सभी तरह के ऐतिहासिक वस्तु या सभ्यता के वर्तमान से जुड़ाव और विकास के क्रम को निर्धारित करने की जिम्मेदारी भी एक आर्किंयोलॉजिस्ट की होती है।

किस तरह का होता है कोर्स

अगर आप इस क्षेत्र में जाना चाहते हैं तो आपको 12वीं की परीक्षा इतिहास विषय के साथ पास करनी होगी। इसके बाद आप

आर्किंयोलॉजी में डिप्लोमा, बैचलर, मास्टर और पीएचडी पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनमें प्रवेश के लिए अलग-अलग योग्यताएं निर्धारित की गई हैं। इससे जुड़े कोर्स देश के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों से किए जा सकते हैं। मास्टर इन कंर्जर्वेशनए प्रिजरवेशन एंड हेरिटेज मैनेजमेंट और मास्टर इन आर्किंयोलॉजी एंड हेरिटेज मैनेजमेंट जैसे कोर्स इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की सीढ़ी हो सकते हैं। इसके अलावा आप हिस्टॉरिकल आर्किंयोलॉजी, जिओ आर्किंयोलॉजी, आर्किंयोबॉटनी, क्रॉनोलॉजिकल, एथनोआर्किंयोलॉजी, एक्सपेरिमेंटल ऑर्किंयोलॉजी, आर्किंयोमेट्री जैसे कोर्स भी कर सकते हैं।

जरूरी योग्यता

एक बेहतरीन आर्किंयोलॉजिस्ट अथवा म्यूजियम प्रोफेशनल बनने के लिए प्लीस्टोसीन पीरियड अथवा क्लासिकल लैंग्वेजए मसलन पाली, अपभ्रंश, संस्कृत, अरेबियन भाषाओं में से किसी की जानकारी आपको कामयाबी की राह पर आगे ले जा सकती है। आर्किंयोलॉजी न केवल दिलचस्प विषय है बल्कि इसमें कार्य करने वाले प्रोफशनल्स के लिए चुनौतियों में भरा क्षेत्र भी है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी विश्लेषणात्मक क्षमताए तार्किक सोचए कार्य के प्रति समर्पण जैसे महत्वपूर्ण गुण जरूर होने चाहिए। कला की समझ और उसकी पहचान भी आपको औरों से बेहतर बनाने में मदद करेगा।

यहां से कर सकते है कोर्स

- आर्किंयोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट
- कर्नाटक स्टेट यूनिवर्सिटी

जॉब ऑप्शन क्या हैं

आर्किंयोलॉजी में कोर्स पूरा करने के बाद आपको जॉब के कई ऑप्शन मिलेंगे। जिनमें मुख्य रूप से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, नई दिल्ली, राज्यों में स्थित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, विभिन्न संग्रहालय, एनजीओ और यूनिवर्सिटी, विदेश मंत्रालय का हिस्टोरिकल विभाग, शिक्षा मंत्रालय, पर्यटन विभाग, इंडियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च आदि।

सैलरी व संभावनाएं

यह ऐक ऐसा क्षेत्र है जहां पर आपको रोमांच और रहस्य के साथ अच्छी सैलरी भी मिलती है। अगर आपने किसी प्राइवेट सेक्टर में जाना चाहते हैं तो आप 30 से 50 हजार रूपये प्रतिमाह की जॉब आसानी से पा सकते हैं, जो अनुभव व आपकी खोज के साथ

जॉब प्रोफाइल के हिसाब से लाखों रूपये की सैलरी पा सकते हैं।

इंश्योरेंस इंडस्ट्री में करियर बनाना है बेहद आसान

इंश्योरेंस इंडस्ट्री एक ऐसी इंडस्ट्री है जो पिछले कुछ सालों से लगातार तेजी से विस्तार कर रही है, जिसके चलते एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड काफी बढ़ गया है। अगर आप भी इंश्योरेंस सेक्टर में करियर बनाने का सोच रहे हैं तो यह समय काफी अच्छा है, खास कर कोरोना के बाद इंश्योरेंस के हेल्थ सेक्टर में बूस्ट आया है। आज के समय लगभग हर परिस्थिति से निपटने के लिए बीमा कंपनियों के पास पॉलिसी हैं। जीवन बीमा, यात्रा बीमा, वाहन बीमा, स्वस्थ्य बीमा तथा गृह बीमा इनमें सबसे ज्यादा प्रचलित हैं।

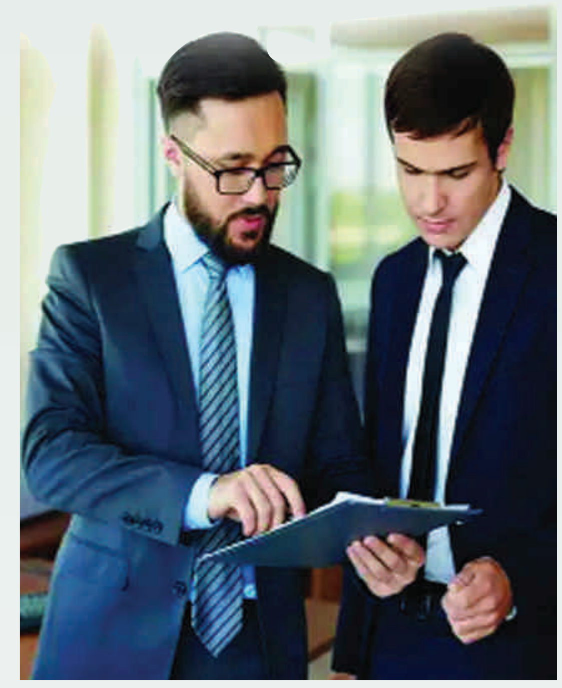

एजुकेशन

इस क्षेत्र में जाने के लिए आप 12वीं व ग्रेजुएशन के बाद भी जा सकते हैं, लेकिन विषय का पूरा ज्ञान लेने के लिए एक्चुरियल साइंस से संबंधित कोर्सेस में स्नातक डिग्री के लिए मैथ्स या स्टेटिस्टिक्स में 55 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं पास होना आवश्यक है जबकि पीजी डिप्लोमा, मास्टर्स डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए मैथ्स-स्टेटिस्टिक्स, इकोनॉमेट्रिक्स सब्जेक्ट से स्नातक जरूरी है। स्टूडेंट्स, इंस्टीट्यूट ऑफ एक्चुरीज ऑफ इंडिया को मेंबर के तौर पर भी ज्वाइन कर सकते हैं। एक्चुरी प्रोफेशनल बनने के लिए स्टूडेंट्स को एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया का फेलो मेंबर होना जरूरी है। यह संस्थान इसमें कोर्सेस भी कराता है।

इंश्योरेंस का कार्य क्षेत्र

इसके लिए मैथ्स और स्टैटिस्टिक्स के मेथड्स का इस्तेमाल करके इंश्योरेंस और फाइनेंस इंडस्ट्री में जोखिम का अनुमान लगाते हैं। एक्चुरियल प्रोफेशनल्स यह हिसाब लगाते हैं कि किसी पॉलिसी होल्डर को प्रीमियम के तौर पर कितनी राशि का भुगतान करना होगा या किसी कंपनी को पेंशन या रिटर्न पर कितना खर्च करना होगा। प्रोफेशनल का काम अचानक घटी घटना के आर्थिक प्रभाव का अंदाजा लगाने का भी होता है। आज इस क्षेत्र से जुड़े प्रोफेशनल्स को इंश्योरेंस इंडस्ट्री का बैकबोन भी कहा जाने लगा है।

स्किल व एलिजिबिलिटी

इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए खुद को अपडेट रखना जरूरी है। खुद में लोगों की परेशानी को समझने, नई तकनीक सीखने में हिचकिचाहट न होने, कम्युनिकेशन के साथ मैथ और स्टेटिस्टिक्स पर पकड़ मजबूत रखने जैसे स्किल का होना जरूरी है। अपनी योग्यता के आधार पर आप एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर एंड असिस्टेंटए डेवलपमेंट ऑफिसरए इंश्योरेंस एजेंटए इंश्योरेंस सर्वेयरए एक्चुरी मैनेजरए रिस्क मैनेजर जैसे पदों पर काम कर सकते हैं।

जॉब्स के अवसर

अगर आपके पास एक्चुरियल साइंस की डिग्री है तो आपके लिए इन दिनों नौकरियों के लिए कई रास्ते खुल गए हैं। इंश्योरेंस, बैंकिंग, बीपीओ-केपीओ, आईटी सेक्टर, मल्टीनेशनल कंपनियों, फाइनेंशियल कंपनियों आदि में इनके लिए अच्छे मौके होते हैं। दूसरी तरफ, बीपीओ कंपनी में भी जोखिम के बारे में विश्लेषण करने के लिए बड़े पैमाने पर एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की हायरिंग होती है। बीपीओ में काम करने वाले एक्चुरी प्रोफेशनल्स की सैलरी भी आम बीपीओ एंप्लॉइज की तुलना में दो से तीन गुना अधिक होती है।

भारत में संभावनाएं इसलिए भी अधिक हैं, क्योंकि वैश्विक ग्राहकों को कम संसाधन और न्यूनतम लागत में अच्छी सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं। वहीं एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड सरकारी और प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनियों में ही नहीं, बल्कि टेरिफ एडवाइजरी कमिटी, इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी, सोशल सिक्योरिटी स्कीम, फाइनेंशियल एनालिसिस फर्म में भी है।

सैलेरी

इस क्षेत्र में आप फ्रेशर के तौर पर प्रतिमाह 20 से 30 हजार रुपये तक आसानी से पा सकते हैं। वहीं अनुभव व समय के साथ किसी उच्च पद पर पहुंचने पर आप 1 लाख रुपये का मासिक वेतनमान भी ले सकते हैं। यदि आपने किसी टॉप कॉलेज से एमबीए इन इंश्योरेंस किया है तो आप अपनी फर्स्ट जॉब में ही ज्यादा बेहतर वेतनमान की अपेक्षा कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

कालेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय
एकेडमी ऑफ इंश्योरेंस मैनेजमेंट, दिल्ली
बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, दिल्ल
इंश्योरेंस इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई
एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया
अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़
यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, पुणे
एमिटी स्कूल ऑफ इंश्योरेंस एंड एक्चुरियल साइंस, नोएडा

एक्स ने दिया यूजर को झटका, साल 2011 से 2014 के बीच पुराना पूरा डेटा हुआ डिलीट

वाशिंगटन । पिछले साल दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क ने माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म टिवटर खरीदा है, जिसके बाद से इसमें ढेरों बदलाव हुए हैं। हाल ही में इसकी पहचान टिवटर से बदलकर एक्स कर लोगो भी बदल दिया गया है। अब सामने आया है कि इस प्लेटफॉर्म ने पुराना यूजर्स डाटा डिलीट कर दिया है। साल 2011 से 2014 के बीच यूजर्स की ओर से पोस्ट किए गए फोटो डिलीट कर दिए हैं। इसके अलावा पुराने शॉर्ट लिंक भी अब काम नहीं कर रहे। फिलहाल साफ नहीं है कि एक्स ने ऐसा जानबूझकर किया है, या फिर यह किसी दिक्कत या खामी के चलते हो रहा है। जो भी हो, इस बदलाव के चलते लाखों यूजर्स परेशान हैं जो पिछले लगभग एक दशक से ज्यादा वक्त से माइक्रोब्लॉगिंग सेवा इस्तेमाल कर रहे हैं। एक्स प्लेटफॉर्म पर साल 2011 से 2014 के बीच पोस्ट किए गए फोटो डिलीट होने की जानकारी सबसे पहले टॉम कोट्स नाम के एक यूजर ने देकर इसके बारे में पोस्ट किया। इसके बाद अन्य यूजर्स ने भी साफ किया कि उनकी ओर से 2011 से 2014 के बीच शेयर किए गए फोटोज डिलीट हो चुके हैं और पुराने लिंक्स भी काम नहीं कर रहे। ट्विटर को 2006 में लांच किया गया था लेकिन तब इसपर नेटिव इमेज अपलोड्स का सपोर्ट नहीं था। इसके बाद साल 2011 में यूजर्स को ट्वीट्स के साथ फोटोज अपलोड करने का विकल्प दिया गया था। इंटरनेट एज में डाटा सुरक्षा को ट्रैक करने वाले फोरम की ओर से कयास लगाए गए हैं कि ऐसा प्लेटफॉर्म की गड़बड़ी के चलते हुआ है।

तूफान हिलेरी की वजह से एक झटके में बन गए बाढ़ के हालात, जमकर हुई बारिश

सेकरामेंटो । दक्षिण लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में तूफान हिलेरी की वजह से भारी बारिश हो रही है। यहां एक झटके में ही बाढ़ के हालात बन गए हैं। सड़कें नदी में तब्दील हो गईं और वाहन पानी उड़ाते हुए नजर आ रहे हैं। हालांकि तूफान मेक्सिको के प्रशांत तट पर पहुंच कर कमजोर पड़ गया। ले?किन पूर्वानुमानकर्ताओं का कहना है कि लेकिन अभी भी इसकी वजह से घातक बाढ़ आने का खतरा बरकरार है। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी मेक्सिको में भारी बारिश के चलते एक व्यक्ति की मौत हुई है, इसके साथ ही हिलेरी तूफान की वजह से कैलिफोर्निया प्रायद्वीप में भारी बारिश और तेज हवाओं ने काफी तबाही मचाई। इधर मौसम विज्ञानियों का कहना है कि 84 सालों में यह पहला मौका है जब दक्षिणी कैलिफोर्निया में ऐसा उष्णकटिबंधीय तूफान आया था। जिसकी वजह से यहां पर अचानक बाढ़, भूस्खलन, तेज हवाएं, बिजली की कटौती और पृथक बवंडर की आशंका बन गई। इस समय कैलिफोर्निया में इमरजेंसी लगा दी गई है। यहां के गवर्नर गेविन न्यूसोम ने दक्षिणी कैलिफोर्निया के अधिकांश भाग के लिए आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है, साथ ही पूरे क्षेत्र में अचानक बाढ़ की चेतावनी लागू हो गई है। प्रमुख बात यह है कि पाम स्प्रिंग्स में, रिवरसाइड काउंटी जो पूर्व में लॉस एंजिल्स से लगभग 100 मील (160 किमी) की दूरी पर स्थित एक शहर है, वहां साल भर में बमुश्किल 4-6 इंच बारिश होती है वहां एक तूफान में 6-10 इंच बारिश देखने को मिली है। मतलब सूखे का आदी शहर बाढ़ झेल रहा है।

आतंकवादियों के डर से पेशावर पुलिस नहीं पहनेगी वर्दी, आदेश जारी

पेशावर । पाकिस्तान में पुलिस को आतंकवादियों से बचाने के लिए अब वर्दी पहनने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके लिए बाकायदा आदेश जारी कर दिया है। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तलिबान पाकिस्तान के सुरक्षाकर्मियों पर हुए ताबड़तोड़ हमलों से पुलिस प्रशासन बुरी तरह बौखला गया है। पेशावर कैपिटल सिटी पुलिस ने पुलिस कर्मियों को आदेश दिया गया है कि वे कार्यालय आते-जाते समय या यात्रा करते समय अपनी वर्दी ना पहने; वरना उन्हें आतंकवादियों द्वारा निशाना बनाया जा सकता है। ध्यान रहे कि अगस्त के शुरुआती 21 दिनों में आतंकवादी संगठन ने पाकिस्तान के सुरक्षाकर्मियों पर 83 से ज्यादा हमले किए हैं। इसमें दिलचस्प यह है कि आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने पुलिस प्रशासन द्वारा जारी किए गए इस आदेश की जमकर हंसी उड़ाई है और कहा है कि अगर पुलिसकर्मी वर्दी नहीं पहनेंगे तो पुलिस कर्मी कैसे रहेगा? आतंकवादी संगठन ने जारी बयान में कहा है कि पुलिसकर्मी कितनी भी कोशिश क्यों न कर ले वह उनके निशाने पर रहेंगे। पुलिस के आदेश की खिल्ली उड़ाने के बाद आतंकवादी संगठन ने ताबड़तोड़ चार हमले और किए। इनमें मालाकंद जिले के दरगई इलाके में बिना वर्दी पहने हुए एक पुलिसकर्मी पर भी हमला किया गया है। पेशावर कैपिटल पुलिस द्वारा जारी इस आदेश को लेकर पुलिस महकमा दो भागों में बंट गया है। कुछ पुलिसकर्मी जहां इस आदेश को उनकी सुरक्षा से संबंधित आदेश मान रहे हैं वही दूसरी तरफ पुलिस का एक तबका मान रहा है कि इस आदेश से आतंकवादियों के हौसले और बुलंद हो जाएंगे। फिलहाल पेशावर कैपिटल पुलिस द्वारा जारी इस आदेश को लेकर जबरदस्त बहस छिड़ गई है और हो सकता है कि आने वाले दिनों में यह आदेश वापस कर लिया जाए।

कोविड-19 के नये वेरिएंट की कर रहे स्टडी : डब्ल्यूएचओ

जिनेवा। कोविड-19 का एक नया वेरिएंट मिलने के बाद उसकी स्टडी की जा रही हैं। यह कहना है विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का। संगठन का कहना है कि अभी बहुत कम देशों जैसे कि इजराइल, डेनमार्क और संयुक्त राज्य अमेरिका में वेरिएंट,बीए.2.86 के मामले रिपोर्ट किए गए हैं। ये बिल्कुल नया वेरिएंट है, इसलिए इसके बारे में अभी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। इसके स्ट्रेस और प्रसार की सीमा को समझने के लिए डाटा इकट्ठा किया जा रहा है। बीए.2.86 स्ट्रेन पहली बार 24 जुलाई को रिपोर्ट किया गया था। स्वास्थ्य एजेंसी ने इसको 17 अगस्त को 'वेरिएंट अंडर मॉनिटरिंग' में रखा है।डब्लूएचओ ने बताया कि, इसके अत्यधिक म्यूटेट होने का खतरा बना हुआ है। हम इस वायरस के नए स्ट्रेन की प्रकृति पर नजर रखे हुए हैं। ह्यूस्टन मेथोडिस्ट में डायग्नोस्टिक माइक्रोबायोलॉजी के चिकित्सा निदेशक डॉ. एस. वेस्ले लॉन्ग ने बताया कि ओमिक्रॉन सब वेरिएंट बीए.2.86 पूर्व के 36 वेरिएंटों में से ही एक है। उन्होंने बताया कि संक्रमण काफी तेजी बढ़ रहा है लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है। क्योंकि पहले के ही बूस्टर इसको रोकने में मदद करेंगे। अमेरिका के सीडीसी प्रवक्ता कैथलीन कॉनली ने बताया कि हम पहले की तुलना में आसानी से नए वेरिएंट का पता लगा लेते हैं। अभी, कोरोना वायरस के नए वेरिएंट का पता चला है। ये अत्यधिक तेजी से म्यूटेट कर रहा है। इससे संक्रमण और जोखिम ज्यादा हो सकते हैं। यह सीडीसी ने सोशल मीडिया 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा है। उन्होंने बताया कि इजराइल, डेनमार्क और संयुक्त राज्य अमेरिका में कोरोना वायरस के नए वेरिएंट का पता चला है। इसकी निगरानी की जा रही है। आगे की जानकारी मालूम होने पर दी जाएगी।

गूगल देने जा रहा है बड़ा झटका, यूज़र्स के दो साल से अनएक्टिव अकाउंट होंगे डिलीट

सैन फ्रांसिस्को । गूगल अपने यूज़र्स को एक तगड़ा झटका देने जा है। आगामी 1 दिसंबर से अनएक्टिव अकाउंट को कंपनी ने हटाने का ऐलान कर दिया है। टेक्नोलॉजी की दिग्गज कंपनी ने मेल भेजकर यूज़र्स को निर्देश के बारे में सूचित किया कि वह इस्तेमाल न होने वाले या डीएक्टिवेटेड अकाउंट को 1 दिसंबर, 2023 से हटाना शुरू कर देगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गूगल ने सभी गूगल प्रोडक्ट और सर्विसेज़ के लिए इनएक्टिव करने की सीमा को दो साल तक बढ़ा दिया है। गूगल ने जानकारी दी है कि जिन अकाउंट का दो साल से इस्तेमाल नहीं किया गया है, उन्हें 1 दिसंबर, 2023 से संभावित रूप से हटाया जा सकता है। हालांकि ध्यान देने वाली बात ये है कि ये गूगल के उन यूज़र पर लागू नहीं होता है जो अपने गूगल अकाउंट का इस्तेमाल कंपनी के किसी प्रोडक्ट या सर्विस के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं या दो सालों में किया है। यानी कि ज़रूरी नहीं है कि आपने अपने गूगल अकाउंट में डायरेक्ट लॉगइन किया हो, और अगर आपने अकाउंट के किसी गूगल की सर्विस का इस्तेमाल भी किया है तो अकाउंट डिलीट नहीं किया जाएगा। हालांकि, अगर किसी का गूगल अकाउंट दो साल से ज़्यादा समय से इनएक्टिव है, और उस अकाउंट का इस्तेमाल किसी भी गूगल प्रोडक्ट या सर्विस के एक्सेस के लिए भी नहीं किया गया है, तो उस अकाउंट को 1 दिसंबर, 2023 से हटा दिया जाएगा। बता दें कि गूगल ने सूचित किया है कि डीएक्टिवेटेड गूगल अकाउंट को दिसंबर 2023 से पहले नहीं हटाया जाएगा।

बुडापेस्ट हंगरी में राष्ट्रीय अवकाश के अवसर पर रौशनी और आतिशबाजी देखते हुए लोग।

ट्रंप का ऐलान, अटलांटा जाकर आत्मसमर्पण करुंगा

वाशिंगटन । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह 2020 में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में जॉर्जिया में चुनावी हार को पलटने की अवैध कोशिशों के आरोपों से जुड़े मामले में गुरुवार को राज्य प्राधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करुंगा। ट्रंप ने एक्स पर लिखा, क्या आप भरोसा कर सकते हैं? मैं गिरफ्तारी के लिए जॉर्जिया के अटलांटा जाऊंगा।'' ट्रंप की घोषणा से कुछ ही घंटे पहले उनके वकीलों ने अटलांटा में अभियोजकों से मुलाकात कर उनकी रिहाई के लिए जमानत के विवरण पर चर्चा की थी। फुल्टन काउंटी के जिला अटॉर्नी फानी विलिस, ट्रंप के बचाव पक्ष के वकीलों और न्यायाधीश ने जमानत संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसके अनुसार पूर्व राष्ट्रपति मामले के अन्य प्रतिवादियों, गवाहों या पीड़ितों को सोशल मीडिया सहित किसी भी माध्यम से डरा-धमका नहीं सकते। इस समझौते के अनुसार जमानत की राशि दो लाख अमेरिकी डॉलर तय की गई है। ट्रंप अमेरिका के इतिहास में अभियोग का सामना करने वाले देश के पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं। जॉर्जिया मामले में आत्मसमर्पण करने पर अप्रैल के बाद से उनकी चौथी गिरफ्तारी होगी।

पाकिस्तान में हिंसा पीड़ित करीब 100 ईसाई परिवारों को 20-20 लाख रुपये का मुआवाजा

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकड़ ने सोमवार को पंजाब प्रांत के हिंसा प्रभावित जरांवाला शहर का दौरा किया और उन करीब 100 ईसाई परिवारों को 20-20 लाख (पाकिस्तानी) रुपये का मुआवजा दिया, जिनके घरों को इस्लामी कट्टरपंथियों की भीड़ ने 21 गिरजाघरों के साथ पिछले हफ्ते जला दिया था। पिछले हफ्ते फैसलाबाद जिले के जरांवाला शहर में ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने 21 गिरजाघरों और ईसाइयों के कई घरों में तोड़फोड़ करने के साथ ही आग लगा दी थी। फैसलाबाद पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर से 130 किलोमीटर दूर है। ईसाई कब्रिस्तान और स्थानीय सहायक आयुक्त के दफ्तर में भी तोड़फोड़ की गई थी। काकड़ ने ईसाई समुदाय के पीड़ितों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए जरांवाला का दौरा किया, जहां उन्होंने प्रभावितों को 20-20 लाख रुपये (6,800 अमेरिकी डॉलर) के चेक बांटे।

उन्होंने देश के सभी अल्पसंख्यक समुदायों को आश्वासन दिया कि सरकार उनके जानमाल की हिफाज़त के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ईसाइयों के खिलाफ जघन्य हमलों के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने का वादा किया। उन्होंने कहा, 'अगर कोई अल्पसंख्यकों को नुकसान पहुंचाता है, तो देश का कानून यह सुनिश्चित करने के लिए अपना काम करेगा कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।÷ काकड़ ने भीड़ द्वारा क्षतिग्रस्त किए गए गिरजाघरों और अन्य ढांचों की मरम्मत और पुनर्वास के कामों की समीक्षा भी की। इस मौके पर पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि जरांवाला घटना के मुख्य आरोपियों को पकड़ लिया गया है।उन्होंने कहा, क्षतिग्रस्त गिरजाघरों की मरम्मत करायी जाएगी जबकि सभी प्रभावित परिवारों को मुआवजे के चेक सौंपे जाएंगे। नकवी ने पहले कहा था, 'कम से कम 94 परिवारों को 20-20 लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा।

इस रकम से उन्हें हिंसा में क्षतिग्रस्त हुए अपने घरों का पुनर्निर्माण करने में मदद मिलेगी।÷ ईसाई नेताओं ने सोमवार को नकवी से कहा कि हिंसा में कम से कम 200 घरों को क्षतिग्रस्त किया गया और सभी को मुआवजा दिया जाना चाहिए। पुलिस के मुताबिक, पिछले बुधवार को जरांवाला में भीड़ ने कम से कम 20 गिरजाघरों और ईसाइयों के 86 घरों को जला दिया था। पुलिस ने कहा कि कुरान का अपमान करने के आरोपी दो ईसाइयों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने यह भी बताया कि अब तक 145 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें एक मौलाना भी शामिल है, जिसने पांच मस्जिदों के लाउडस्पीकर से लोगों को ईसाई घरों और गिरजाघरों पर हमले करने के वास्ते उकसाया था। पुलिस रिपोर्ट में कट्टरपंथी इस्लामी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) से जुड़े लोगों की मौजूदगी का भी संकेत दिया गया है जिन्होंने हमले को अंजाम देने वाली भीड़ का नेतृत्व किया। इस बीच, जरांवाला में कैथोलिक की अनदेखी को लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। फैसलाबाद के कैथोलिक डायोसिस के फादर आबिद तनवीर ने कहा किजरांवाला के सैकड़ों कैथोलिक ईसाई क्रिश्चियन कॉलोनी में नकवी का इंतजार करते रह गए, लेकिन मुख्यमंत्री ने समुदाय के एक छोटे से क्षेत्र का दौरा किया और क्रिश्चियन कॉलोनी को नजरअंदाज कर दिया।

पीएम मोदी दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग पहुंचे, एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत, काफी संख्या में भारतीय समुदाय के लोग मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कल सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों के समूह के 15वें वार्षिक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना हुए। अफ्रीकी देश का सबसे अधिक आबादी वाला शहर जोहान्सबर्ग इस सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है, जो 22 अगस्त से ही शुरू हो रहा है और 24 अगस्त को जिसका समापन होगा। 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जोहान्सबर्ग पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। एयरपोर्ट पर काफी संख्या में भारतीय समुदाय के लोग मौजूद रहे। इस दौरान मोदी ने लोगों का अभिवादन किया और उनसे हाथ भी मिलाया।

प्रधानमंत्री आज ब्रिक्स बिजनेस फोरम लीडर्स डायलॉग और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामाफोसा द्वारा आयोजित रात्रिभोज में सामिल होंगे। मेजबान देश के राष्ट्रपति के रूप में, दक्षिण अफ्रीका के सिरिल रामफोसा शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष हैं; उनके साथ ब्राजील के उनके समकक्ष लूला डी सिल्वा, मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी शामिल होंगे। ब्रिक्स में 'आर' रूस का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव करेंगे, जबकि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन वस्तुतः भाग लेंगे। कुल मिलाकर 50 से ज्यादा नेता मौजूद रहेंगे।

आदेश नहीं माना, पाकिस्तानी राष्ट्रपति ने सचिव को हटाया

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने अपने सचिव को बर्खास्त कर दिया है। राष्ट्रपति अल्वी ने इससे इनकार किया कि उन्होंने आधिकारिक गोपनीयता (संशोधन) विधेयक, 2023 और पाकिस्तान सेना (संशोधन) विधेयक, 2023 पर हस्ताक्षर किए हैं। पाकिस्तानी मीडिया ने रिपोर्ट दी थी कि राष्ट्रपति ने उन दो विधेयकों पर हस्ताक्षर किए हैं, जो कानून बन गए हैं। अल्वी ने कहा कि मुझे आज पता चला कि मेरे कर्मचारियों ने मेरी इच्छा और आदेश को कमज़ोर कर दिया। चूंकि अल्लाह सब कुछ जानता है, वह आईए (इंशाअल्लाह) को माफ कर देगा। लेकिन मैं माफी मांगता हूं।

राष्ट्रपति सचिवालय ने कहा कि अल्वी ने सचिव वकार अहमद के प्रतिस्थापन के लिए कहा जिनकी सेवाओं की अब आवश्यकता नहीं है। सोमवार के निश्चित बयान के मद्देनजर, राष्ट्रपति सचिवालय ने प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव को एक पत्र लिखा है कि राष्ट्रपति के सचिव वकार अहमद की सेवाओं की अब आवश्यकता नहीं है, उन्हें तुरंत स्थापना प्रभाग को सौंप दिया जाता है।

बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि पाकिस्तान प्रशासनिक सेवा की बीपीएस-22 अधिकारी हुमैरा अहमद को राष्ट्रपति के सचिव के रूप में तैनात किया जा सकता है। वकार को हटाया जाना राष्ट्रपति अल्वी द्वारा पोस्ट मैंने आधिकारिक गोपनीयता संशोधन विधेयक, 2023 और पाकिस्तान सेना संशोधन विधेयक, 2023 पर हस्ताक्षर नहीं किए क्योंकि मैं इन कानूनों से असहमत था किए जाने के एक दिन बाद आया है। मैंने अपने कर्मचारियों से बिलों को अप्रभावी बनाने के लिए निर्धारित समय के भीतर बिना हस्ताक्षर किए वापस करने को कहा। मैंने उनसे कई बार पुष्टि की कि क्या उन्हें वापस कर दिया गया है और आश्वस्त किया गया था कि उन्हें वापस कर दिया गया है।

सदमा या सजा? लूना-25 के क्रैश होते ही रूस के शीर्ष अंतरिक्ष वैज्ञानिक अस्पताल में भर्ती

मॉस्को (एजेंसी)। लूना-25 अंतरिक्ष यान के चंद्रमा पर क्रैश होते ही रूस की उम्मीदों पर पानी फिर गया। यह पिछले 47 साल में और रूस की स्थापना के बाद पहला मून मिशन था। लूना-25 के क्रैश होने के तुरंत बाद मिशन पर काम करने वाले रूस के प्रमुख भौतिकविद और खगोलविदों में से एक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस वैज्ञानिक का नाम मिखाइल मारोव बताया जा रहा है। मिखाइल की उम्र 90 साल है, इसके बावजूद वह रूसी लूना-25 मिशन में बतौर खगोलशास्त्री सहायता कर रहे थे। रूस के लूना-25 को चंद्रमा के उसी इलाके में लैंड करना था, जहां भारत का चंद्रयान-3 उतरने वाला है।

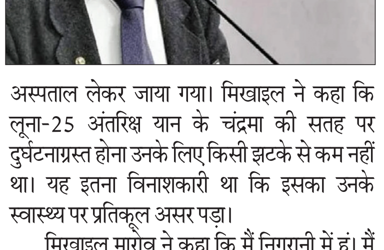

रिपोर्ट के मुताबिक 90 वर्षीय मिखाइल मारोव लूना-25 के क्रैश होने के बाद अचानक कमजोरी महसूस करने लगे। मिखाइल को मिशन के फेल होने का इतना बड़ा सदमा पहुंचा कि उन्हें तुरंत मॉस्को के अस्पताल लेकर जाया गया। मिखाइल ने कहा कि लूना-25 अंतरिक्ष यान के चंद्रमा की सतह पर दुर्घटनाग्रस्त होना उनके लिए किसी झटके से कम नहीं था। यह इतना विनाशकारी था कि इसका उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ा।

मिखाइल मारोव ने कहा कि मैं निगरानी में हूं। मैं चिंता कैसे नहीं कर सकता, यह काफी हद तक जीवन का मामला है। उन्होंने मॉस्को में क्रेमलिन के पास स्थित सेंट्रल क्लिनिकल अस्पताल से मीडिया से बात कर कहा कि यह सब बहुत कठिन है। मिखाइल ने सोवियत संघ के पिछले अंतरिक्ष अभियानों पर काम किया था और लूना-25 मिशन को अपने जीवन का निचोड़ बताया था। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि अंतरिक्ष यान को उतारना संभव नहीं हो सका। मेरे लिए, शायद, यह हमारे चंद्र कार्यक्रम के फिर से जागते हुए देखने की आखिरी उम्मीद थी।

उन्होंने बताया कि उन्हें उम्मीद है कि दुर्घटना के पीछे के कारणों पर चर्चा की जाएगी और कड़ाई से जांच की जाएगी। लूना-25 के साथ, मॉस्को को अपने सोवियत-युग के लूना कार्यक्रम की विरासत को आगे बढ़ाने की उम्मीद थी, जो पश्चिम से बढ़ते अलगाव की स्थिति में स्वतंत्र मून एक्सप्लोरेशन की ओर वापसी का प्रतीक था।

साउथ चाइना सी में जॉइंट मिलिट्री ड्रिल करेगा अमेरिका

वाशिंगटन । अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने साउथ चाइना सी में जॉइंट मिलिट्री ड्रिल करने की घोषणा की है। ये वो इलाका है जिसे चीन अपना हिस्सा बताता है और दूसरे देश के जहाजों को आने से रोकता है। 5 अगस्त को चीन ने इस इलाके से गुजर रहे फिलिपींस के जहाज पर वॉटर कैनन से वार कर दिया था। अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मिलिट्री ड्रिल की जानकारी फिलिपींस के सिक्योरिटी ऑफिशियल्स ने ही दी है। फिलिपींस ने बताया है कि इसमें 3 एयरक्राफ्ट और हेलिकॉप्टर शामिल होंगे। इनके कमांडर जल्द मनिला में बैठक के लिए मिलेंगे।

साउथ चाइना सी में अमेरिका का दावा नहीं : साउथ चाइना सी के किसी भी इलाके पर अमेरिका का कोई दावा नहीं है। इसके बावजूद अमेरिका इस इलाके में ड्रिल करता रहा है। अमेरिका का कहना है कि वो ऐसा कर दूसरे देशों खासकर जापान और फिलिपींस की मदद कर रहा है।

नीदरलैंड व डेनमार्क यूक्रेन की मदद को आगे आये, एफ-16 लड़ाकू विमान देने का वादा

कीव (एजेंसी)। नीरदरलैंड और डेनमार्क जैसे देश अब यूक्रेन की मदद करने के लिए आगे आ गए हैं। उन्होंने एफ-16 लड़ाकू विमान देने का वादा किया है। इधर इस बहुप्रतीक्षित घोषणा के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यह देश की सेनाओं का उत्साह बढ़ाने के लिए अहम घोषणा है और इससे रूस का मुकाबला करने में मदद मिलेगी। नये लड़ाकू विमान देने की पेशकश यूक्रेन के एक सिनेमाघर पर रूस के मिसाइल हमले के एक दिन बाद की गई है। यूक्रेन में रूस के हमले से उत्तरी शहर चेर्नीहीव में छह साल की बच्ची सहित सात लोग मारे गए थे और लगभग 150 अन्य घायल हुए हैं। जेलेंस्की ने हमले का बदला लेने की कसम खाई थी। यूक्रेनी वायुसेना को मजबूत करने के लिए जेलेंस्की महीनों से सहयोगी देशों से एफ-16 देने का अनुरोध कर रहे थे। इसी तारतम्य में अमेरिका ने हाल ही में नीदरलैंड और डेनमार्क को यूक्रेन को अमेरिका निर्मित लड़ाकू विमान देने की मंजूरी दी थी। इन विमानों को हासिल करने के तौर-तरीके को अंतिम रूप देने के लिए जेलेंस्की ने दोनों देशों की यात्रा की। जेलेंस्की ने कहा कि एफ-16 निश्चित रूप से सैनिकों और नागरिकों को नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और प्रेरणा देगा। मुझे यकीन है कि इससे यूक्रेन और पूरे यूरोप के लिए नए नतीजे सामने आएंगे।

यूक्रेन को उम्मीद है कि हवाई हमले की क्षमता प्राप्त करने के बाद क्रेमलिन की सेना के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की जा सकेगी जिससे उसे बढ़त मिलेगी। अब तक उसके सैनिकों को रूसी विमानों और तोपखाने की दया पर निर्भर रहना पड़ रहा है। यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि ये लड़ाकू विमान कितनी जल्दी यूक्रेन को मिलेंगेया यूक्रेन के आसमान में होंगे। यह इस बात पर निर्भर करता है कि यूक्रेन कितनी जल्दी इन विमानों के परिचालन के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करता है। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री मार्क रूट ने जेलेंस्की से बातचीत में लड़ाकू विमान देने की पेशकश की थी। रूट ने आइंडहोवेन के हवाई अड्डे पर जेलेंस्की से मुलाकात के दौरान कहा था कि कुछ शर्तें पूरी होने के बाद विमानों की आपूर्ति की जाएगी।

हालांकि नीदरलैंड ने यह नहीं बताया कि वह कितने लड़ाकू विमान उपलब्ध कराएगा। वहीं, जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा कि यूक्रेन को 42 लड़ाकू विमान मिलेंगे। नीदरलैंड और डेनमार्क ने शुक्रवार को कहा था कि अमेरिका ने उन्हें यूक्रेन को अमेरिकी निर्मित एफ-16 युद्धक विमान देने के लिए अधिकृत किया है। यूक्रेन को एफ-16 लड़ाकू विमान देने के लिए अमेरिका की मंजूरी को कीव के लिए एक बड़े प्रोत्साहन के रूप में देखा गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी को राखी बांधने की तैयारी कर रही हैं पाकिस्तानी मूल की बहन

नई दिल्ली। इस बार पाकिस्तानी मूल की कमर मोहसिन शेख फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राखी बांधने की तैयारी कर रही हैं। जानकारी के अनुसार वह इस साल पीएम मोदी के साथ साथ रक्षाबंधन मनाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया है कि कोविड-19 के कहर के कारण तीन साल बाद व्यक्तिगत रूप से पीएम मोदी को राखी बांधने जा रही हैं। इतना ही नहीं उन्होंने खास तोहफा भी तैयार किया है। बता दें कि शेख शादी के बाद पाकिस्तान से भारत शिफ्ट हो गई थीं। मीडिया से बातचीत में शेख ने कहा, इस बार मैंने खुद राखी बनाई है। मैं उन्हें (पीएम मोदी) को कृषि से जुड़ी किताब भी पढ़ने के लिए दूंगी, क्योंकि वह पढ़ने के बहुत शौकीन हैं। बीते तीन सालों से मैं कोविड-19 के कारण नहीं जा पा रही थी, लेकिन इस बार मैं व्यक्तिगत रूप से उनसे मुलाकात करूंगी। उन्होंने बताया कि मैंने खासतौर से उनके लिए लाल रंग की राखी बनाई है। लाल रंग शक्ति का प्रतीक है। पहले मैंने प्रार्थना की थी कि वह गुजरात के मुख्यमंत्री बनें और वह बन गए। जब भी मैंने उन्हें राखी बांधी, तब तब मैं उन्हें प्रधानमंत्री बनते देखने की इच्छा जाहिर करती थी। उनका जवाब होता था कि भगवान उनकी सभी इच्छाएं पूरी करेंगे। अब वह पीएम के तौर पर देश के लिए शानदार काम कर रहे हैं। 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर शेख ने कहा था, इसमें कोई शक नहीं है कि वह फिर प्रधानमंत्री बनेंगे। वह इसके लायक हैं, क्योंकि उनमें क्षमताएं हैं और मैं चाहती हूं कि वह हर बार देश के पीएम बनें।

घुसपैठ की कोशिश जरूर नाकाम हुई, सर्जिकल स्ट्राइक नहीं : सेना

नई दिल्ली। सेना ने मीडिया में आई उस खबर का खंडन किया है जिसमें सेना की कार्रवाई को सर्जिकल स्ट्राइक बताया है। डिफेंस पीआरओ, जम्मू ने आज एक बयान जारी कर कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक को लेकर एक न्यूज प्रकाशित की गई है, जो कि गलत है। सेना ने ऐसा कोई भी ऑपरेशन राजौरी-पुंछ में नहीं किया है। कल घुसपैठ की कोशिश जरूर नाकाम की गई थी। दरअसल एक हिंदी अखबार ने राजौरी डेटलाइन से खबर प्रकाशित की है कि हमारे जवानों ने राजौरी और पुंछ जिलों के बीच नियंत्रण रेखा के पार जाकर पीओके के कोटली नकयाल में सक्रिय आतंकियों के चार लॉन्चिंग पैड को तबाह कर दिया। अखबार की खबर में दावा किया गया था कि भारतीय सैनिक पीओके में करीब ढाई किमी घुस गए और इस सर्जिकल स्ट्राइक में 7 से 8 आतंकियों के मारे जाने की सूचना है। इनमें पाकिस्तानी सेना के बैट टीम के मेंबर भी हो सकते हैं। बताया गया कि भारतीय एजेंसियों को सूचना मिली थी एलओसी के उस पार लॉन्चिंग पैड्स में किसी बड़े हमले की योजना तैयार की जा रही है। सूत्रों के हवाले से अखबार ने दावा किया था कि 12 से 15 कमांडो ने मिशन को अंजाम दिया। कहा गया कि स्पेशल फोर्स के इन कमांडो ने पैदल ही राजौरी के तरकुंडी सेक्टर और पुंछ के भिंभर गली के बीच एलओसी पार की। रात को पूरी सतर्कता से मिशन को अंजाम दिया गया और आतंकियों को भागने का कोई मौका नहीं मिला। हालांकि अब सेना ने इस तरह की किसी भी कार्रवाई से इनकार कर दिया है।

पहाड़ों पर हो रही मूसलाधार बारिश, राशन के लिए परेशान हुए गांवों लोग

चमोली। पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश के कारण गांवों के लोगों को अब राशन की परेशानी हो रही है। यह बारिश स्थानीय लोगों के लिए आफत साबित हो रही है क्यों?कि कई सड़क मार्ग बंद हो गए हैं। बरसात के कारण हेलंग उर्गम मोटर मार्ग पिछले 20 दिनों से क्षतिग्रस्त है। इस कारण प्रसिद्ध तीर्थ पंचम केदार कल्पेश्वर महादेव मंदिर और ध्यान बद्री समेत लगभग 20 गांव सड़क मार्ग से कट गए हैं। ग्रामीणों के ऊपर अब रोजमर्रा की सामग्री जुटाने का संकट आ गया है। सड़क मार्ग क्षतिग्रस्त होने के कारण गांव तक राशन इत्यादि की पूर्ति नहीं हो पा रही है। गैस सिलेंडर न पहुंचने के कारण ग्रामीणों को खाना बनाने में भी भारी दिक्कत हो रही है। यहां पर ग्रामीण किसी तरह जंगल की गीली लकड़ी जलाकर अपना जीवन गुजार रहे हैं। सड़क बंद होने के कारण तीर्थ यात्री पंचम केदार भगवान कल्पेश्वर महादेव के दर्शन नहीं कर पा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार तीर्थयात्री हेलंग से ही वापस लौट जा रहे हैं। नंदी कुंड ट्रैकिंग एंड एडवेंचर ग्रुप देबग्राम के प्रबंधक संदीप नेगी ने बताया कि एडवांस बुकिंग रद्द हो रही है। इस वर्ष घाटी का तीर्थाटन व्यापार चरम सीमा पर था पर सड़क टूटने के कारण बुकिंग रद्द करनी पड़ रही है। हर साल लाखों की संख्या में ट्रैकिंग दल यहां से वंशी नारायण, नंदी कुंड, मद्महेश्वर, रुद्रनाथ, गिन्नी ग्लेशियर, सोना शिखर, चनाप घाटी, भनाई बुग्याल समेत 50 से अधिक ट्रेकिंग रूटों पर ट्रैक करते हैं। इससे स्थानीय लोगों को भी रोजगार मिलता है। उनका कहना है ?कि इस वर्ष सड़क टूटने के कारण सारे व्यापार ठप हो गए हैं। ऐसे में रोजी रोटी पर बन आई है।

हिंदू संगठनों ने चर्च में घुसकर की तोड़फोड़, नारे लगाए, 1 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के ताहिरपुर में रविवार तड़के प्रार्थना के दौरान कथित तौर पर एक हिंदू संगठन से जुड़ी भीड़ एक चर्च में घुस गई। भीड़ ने कथित तौर पर सिय्योन प्रार्थना कक्ष में तोड़फोड़ की, तोड़फोड़ की और प्रार्थना कक्ष के अंदर नारे भी लगाए। जब शिकायतकर्ताओं ने चर्च में हंगामा करने वाले लोगों के खिलाफ जीटीबी एन्क्लेव पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करने की कोशिश की, तो लोगों ने पुलिस स्टेशन पर भी नारे लगाए। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. दिल्ली पुलिस चर्च के पास लगे सीसीटीवी की मदद से अन्य आरोपियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। हिंदू संगठनों के मुताबिक प्रार्थना की आड़ में उनके धर्म के खिलाफ गलत शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा। हंगामे में एक व्यक्ति को मामूली चोटें आईं। एहतियात के तौर पर इलाके में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

मणिपुर हिंसा : 3 जजों की समिति ने सुप्रीम कोर्ट को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली। मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त तीन महिला न्यायाधीशों वाली समिति ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष 3 रिपोर्ट पेश की हैं, जिसमें महत्वपूर्ण पहचान दस्तावेजों को फिर से जारी करने, मुआवजा योजना के उन्नयन की जरूरत पर जोर दिया गया है और इसके कामकाज को सुविधाजनक बनाने के लिए डोमेन विशेषज्ञों की नियुक्ति की सिफारिश की है। सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने याचिकाकर्ताओं और केंद्र और मणिपुर सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को सुझाव के लिए इन रिपोर्टों को प्रसारित करने का आदेश दिया। पीठ ने निर्देश दिया कि सुझावों का संकलन अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर करेंगी। वे इन्हें मणिपुर राज्य के महाधिवक्ता के साथ साझा करेंगी। संक्षिप्त सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालत द्वारा नियुक्त समिति ने तीन रिपोर्ट दायर की हैं। पहली रिपोर्ट इस तथ्य पर प्रकाश डालने वाली हैं कि मणिपुर के कई निवासियों ने हिंसा में अपने आवश्यक दस्तावेज खो दिए हैं। रिपोर्ट में आधार कार्ड आदि के पुनर्निर्माण में सहायता की मांग की गई है, दूसरी रिपोर्ट मणिपुर पीड़ित मुआवजा योजना को एनएएलएसए (राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण) के अनुरूप लाने के लिए उन्नत करने की जरूरत है। तीसरी रिपोर्ट अपने कामकाज को सुविधाजनक बनाने के लिए डोमेन विशेषज्ञों की नियुक्ति का प्रस्ताव रखा गया है शीर्ष अदालत ने कुछ प्रक्रियात्मक निर्देश पारित करने के लिए याचिकाओं के समूह को 25 अगस्त को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने तीन महिला न्यायाधीशों, पूर्व मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल, शालिनी फणसलकर जोशी और आशा मेनन की एक समिति गठित की थी।

शिंदे सरकार के मंत्री का बेतुका बयान, कुछ दिन प्याज नहीं खाने से कुछ नहीं बिगड़ जाएगा

मुंबई। प्याज पर 40 फीसदी निर्यात शुल्क लगाने के केंद्र के फैसले के खिलाफ किसानों और व्यापारियों के विरोध के बीच, महाराष्ट्र की शिंदे सरकार में मंत्री दादा भुसे ने दावा किया है कि अगर लोग दो से चार माह तक रसोई के प्रमुख खाद्य पदार्थ का उपभोग नहीं करते हैं, तब इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। हालांकि, राज्य के पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कहा कि निर्यात शुल्क लगाने का निर्णय उचित समन्वय के साथ लिया जाना चाहिए था। सरकार ने कीमत वृद्धि पर अंकुश लगाने और घरेलू बाजार में आपूर्ति में सुधार के लिए प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क लगाया है।

यूपी में गाड़ियों पर जाट, गुर्जर, चौधरी, राजपूत जैसे जातिसूचक शब्द लिखवाने वालों की खैर नहीं

-पुलिस काट रही चालान

चेन्नई (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की सड़कों पर गाड़ियों का दौड़ना बेहद आम है। उत्तर प्रदेश में सड़कों पर गाड़ियां सिर्फ लोगों के लिए आवाजाही का ही जरिया नहीं है बल्कि अपना रूतबा बताने का भी एक अहम जरिया है। उत्तर प्रदेश में गाड़ियों के जरिए लोग अपनी शान को दर्शाने में भी कोई कसर नहीं छोड़ते है। गाड़ियों का शानदार रंग-रोगन करवाना, उन्हें मॉड्यूलर बनवाना हो या फिर तरह तरह के स्टीकर गाड़ियों पर लगवाना उत्तर प्रदेश के लोगों खासकर युवाओं का ऐसा करना काफी पसंद आता है।

गाड़ियों पर लगे शीशों से लेकर नंबर प्लेट पर भी जातिसूचक स्टीकर लगाए जाते है। गाड़ी पर स्टीकर लगाने पर लोग हजारों रुपये की राशि खर्च कर देते है। गाड़ियों पर गुर्जर, जाट, राजपूत, अंसारी, ब्राह्मण जैसे कई जातिसूचक शब्द स्टीकर के जरिए लिखे हुए दिख जाते है। मगर उत्तर प्रदेश में अब इन जातिसूचक शब्दों को लिखना गाड़ी के मालिक पर भारी पड़ रहा है। दरअसल मोटर अधिनियम के मुताबिक इस तरह के शब्दों को गाड़ी पर नहीं लिखावाया जा सकता है।

मगर योगी सराकर ने इस मामले पर ध्यान दिया है और इसके खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। इसी कड़ी में योगी आदित्यनाथ कह चुके है कि कार, बाइक या अन्य वाहनों पर पर ब्राह्मण, जाट, राजपूत, गुर्जर, खान, अंसारी, कुरैशी जैसे जातिसूचक शब्द लिखने वालों की खैर नहीं होगी। सीएम योगी ने वाराणसी दौरे पर इस संबंध में सख्त निर्देश देते हुए कहा कि पुलिस की क्षेत्रों में पेट्रोलिंग नियमित रूप से कराई जाए। वाहनों पर जातिसूचक बोर्ड लगाकर कोई न चलने पाए। इस पर प्रभावी रूप से रोक लगाई जाए। शहर के सभी सीसीटीवी कैमरे काम करने चाहिए।

पुलिस ने शुरू की कार्रवाई

अब उत्तर प्रदेश की पुलिस ने इसी दिशा में काम शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने उन गाड़ियों पर कार्रवाई शुरू कर दी है, जिनपर जातिसूचक शब्द लिखे है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसी गाड़ियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए है। जनपद बुलंदशहर में शनिवार से अब तक 1 हजार से अधिक गाड़ियों का चालान किया गया है। नियमों तोड़ने वालों का दो हजार रुपये का चालान पुलिस कर रही है।

पुलिस गाड़ियों की चैकिंग के लिए कालाआम चौराहा, भूड़ चौराहा, स्याना अड्डा, गुलावटी रोड, लल्ला बाबू चौराहा आदि पर चैकिंग अभियान चला रही है। इस अभियान के दौरान पुलिस को कई गाड़ियां मिली जिनपर जातिसूचक शब्द लिखे थे। कई ऐसी गाड़ियां भी पुलिस की पकड़ में आई है जिन पर नंबर प्लेट नहीं उपलब्ध थी। बता दें कि इस तरह के स्टीकर लगाने वाले लोगों को ये भी नहीं पता है कि स्टीकर लगाना नियमों का उल्लंघन करना होता है। पुलिस ऐसे ही नियम का उल्लंघन करने वालों का धडल्ले से चालान कर रही है।

एमपी में खरगे का ऐलान, 500 में गैस सिलेंडर, किसानों का कर्जा करेंगे माफ

सागर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि य ?दि मप्र में कांग्रेस की सरकार आएगी तो गैस सिलेंडर 500 रुपये में मिलेगा। वहीं हर किसान का पूरा कर्जा माफ करेंगे। गौरतलब है कि कांग्रेस की चुनावी तैयारी के सिलसिले में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे मंगलवार को सतना पहुंचे। सतना में एक रैली को सबोधित करते हुए खरगे ने कई ऐलान किए। खरगे ने कहा कि राज्य में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस मध्य प्रदेश में जाति जनगणना कराएगी। खरगे ने इस दौरान बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी सरकार ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सिफारिश पर मंजूर किए गए बुंदेलखंड पैकेज को लागू नहीं किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हमारी सरकार बनने पर किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा। यहां पर एलपीजी सिलेंडर सिर्फ 500 रुपये में मिलेगा। महिलाओं को हर महीना 1500 रुपये दिया जाएगा। इसके अलावा सरकारी कर्मियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 100 यूनिट तक बिजली बिल नहीं लिया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने इस दौरान ये भी कहा कि अब हमारी कार्यसमिति में पिछड़े वर्ग के 6 लोग हैं। खरगे ने पीएम मोदी पर निशाना भी साधा है। उन्होंने कहा कि पीएम ने हिंसा प्रभावित मणिपुर के लोगों के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी ने अनुसूचित जाति के लिए पूजनीय संत रविदास के 100 करोड़ रुपये के मंदिर की सागर में आधारशिला रखी, लेकिन दिल्ली में उनकी मूर्ति को ध्वस्त कर दिया गया। खरगे ने इस तरह से बीजेपी पर तंज किया।

अमेरिकी कोर्ट ने 26/11 हमले के आरोपी राणा के भारत प्रत्यर्पण पर लगाई रोक

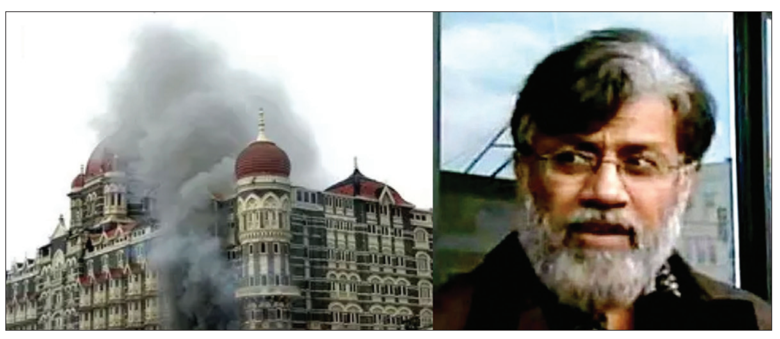

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। अमेरिकी कोर्ट ने मुंबई में हुए 26/11 हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण की मांग को खारिज कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार अमेरिका की अदालत ने देश के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन की अपील खारिज करते हुए पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण पर रोक लगाने का आदेश दिया है। राणा मुंबई में 2008 में हुए आतंकवादी हमले में शामिल होने के मामले में भारत में मुकद्दमे का सामना कर रहा है। 62 वर्षीय राणा ने कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट में अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ 'नाइंथ सर्किट कोर्ट में अपील की है, जिसमें बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट याचिका को खारिज कर दिया गया था। सेंट्रल कैलिफोर्निया में अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जिला न्यायाधीश डेल एस. फिशर ने अपने हालिया आदेश में कहा कि राणा के प्रत्यर्पण पर रोक लगाने के अनुरोध वाले उसके एक पक्षीय आवेदन को मंजूरी दी जाती है। जस्टिस फिशर ने 18 अगस्त को जारी आदेश में कहा कि यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द नाइन्थ सर्किट के समक्ष लंबित राणा की याचिका पर फैसला आने तक उसके भारत प्रत्यर्पण पर रोक लगाई जाती है।

इस तरह न्यायाधीश ने सरकार की इन सिफारिशों को खारिज कर दिया कि राणा के प्रत्यर्पण पर कोई रोक नहीं होनी चाहिए। गौरतलब है कि राणा मुंबई हमलों में अपनी भूमिका को लेकर आरोपों का सामना कर रहा है और माना जाता है कि 26/11 मुंबई हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली से उसके संपर्क थे। जज ने कहा कि प्रत्यर्पण संधि के अनुच्छेद 6 (1) में अपराध का उचित अर्थ स्पष्ट नहीं है और विभिन्न न्यायविद अलग-अलग निष्कर्ष निकाल सकते हैं। राणा की स्थिति निश्चित रूप से विचारणीय है और अपील पर सुनवाई में इसे सही पाया जा सकता है। वहीं यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द नाइन्थ सर्किट ने राणा से 10 अक्टूबर से पहले अपनी दलीलें पेश करने को कहा है। इसके साथ ही अमेरिका सरकार को आठ नवंबर तक दलीलें रखने को कहा गया है।

राहुल गांधी लद्दाख दोरे पर, वरिष्ठ सैनिकों के साथ घूमे लेह बाजार

लेह (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी इस समय लद्दाख के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ सैनिकों के साथ लेह के स्थानीय बाजार में भ्रमण किया। कांग्रेस सांसद ने लेह बाजार क्षेत्र के उनके दौरे का वीडियो साझा किया, इसमें वह भारत माता की जय के नारों के बीच तिरंगा पकड़े नजर आ रहे हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक ट्वीट में कहा, कुछ दिन पहले राहुल गांधी ने कहा था कि भारत माता हर भारतीय की आवाज है। लेह में भी कुछ ऐसी ही गूंज है। गौरतलब है कि राहुल गांधी शुक्रवार को अपनी आठ दिवसीय लद्दाख यात्रा का समापन करेंगे। उन्होंने रविवार को पैंगोंग झील का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने अपने दिवंगत पिता और पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी को उनकी 79वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लेह में एक स्थानीय फुटबॉल मैच में भी भाग लिया था, वरिष्ठ लोगों के साथ रात्रिभोज में भाग लिया और युवाओं के साथ बातचीत की। वह अपनी केटीएम ड्यूक 390 बाइक पर क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने खारदुंगला की अपनी यात्रा की झलकियां भी साझा की थीं। वह कारगिल भी जाएंगे जहां वह एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करने वाले हैं।

चीनी पीएलए पर सुरक्षा विशेषज्ञ राहुल गांधी के आरोपों को कर रहे खारिज

नई दिल्ली। सुरक्षा विशेषज्ञ कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उन आरोपों को खारिज कर रहे हैं जिनमें उन्होंने चीनी पीएलए को लेकर गलत बयानी की है। गौरतलब है ?कि राहुल गांधी ने अपने हालिया बयान में एक बार फिर चीन के मुद्दे पर मोदी सरकार पर निशाना साधा। लेकिन भारत ने चीन के हाथों अपनी जमीन खोने के उनके हालिया दावे को सुरक्षा विशेषज्ञ ने गलत बताया है। लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) संजय कुलकर्णी ने कहा कि चल रही बातचीत के दौरान इस तरह के दावे राजनयिक प्रयासों में बाधा बन सकते हैं। यह टिप्पणी तब आई है जब राहुल गांधी ने चीनी पीएलए के अतिक्रमण पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रुख का खंडन किया। लद्दाख में अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 79वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राहुल ने कहा कि पीएम मोदी का यह दावा कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सैनिकों ने एक इंच भी भारतीय जमीन नहीं ली, सच नहीं है।

मायावती ने आज बुलाई बसपा की प्रमुख बैठक, आम चुनाव की तैयारी को लेकर

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर बुधवार को अहम बैठक बुलाई है। इसमें मुख्य जोन इंचार्ज, जिलाध्यक्ष के साथ ही बामसेफ के पदाधिकारियों को बुलाया गया है। बैठक के दौरान संगठन विस्तार, बूथ गठन के साथ ही कैडर कैंप की तैयारियों की जानकारी ली जाएगी। संगठन में फेरबदल की संभावना है।

मायावती इसी महीने दिल्ली से वापस लौटने के बाद लगातार मंडलवार संगठन विस्तार के बारे में फीडबैक ले रही हैं। मंडलवार लोकसभा चुनाव के लिए तैयार किए जाने वाले उम्मीदवारों के पैनल के बारे में भी जानकारी ले रही हैं। उन्होंने इस फीडबैक के आधार पर बुधवार को अहम बैठक बुलाई है। बताया जा रहा है कि इस बैठक में वह भविष्य की रणनीति का खुलासा करने के साथ ही पदाधिकारियों को चुनावी तैयारियों के संबंध में जरूरी दिशा-निर्देश देंगी।

बहनजी ने 23 अगस्त को लखनऊ में बुलाई है। दिल्ली के बाद अब प्रदेश लेवल की तैयारी का रिव्यू किया जाना है। इसमें नेशनल जनरल सेक्रेटरी सतीश चंद्र मिश्र, प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पल, एमएलए उमा शंकर सिंह, एमएलसी भीम राव अंबेडकर, पूर्व एमपी, पूर्व एमएलसी, मुख्य जोन इंचार्ज, जिलाध्यक्ष के साथ ही बामसेफ के पदाधिकारी शामिल हो रहे हैं। बता दें कि इससे पहले मायावती दिल्ली में पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान, छत्तीसगढ़, एमपी और तेलंगाना का रिव्यू कर दिशा निर्देश दे चुकी है।

सीएम योगी को भावी पीएम देखते हैं रजनीकांत, इस कारण उनके पैर छुए: उदित राज

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस नेता उदित राज ने दावा किया कि रजनीकांत ने योगी आदित्यनाथ के पैर इसकारण छुए क्योंकि अभिनेता मुख्यमंत्री योगी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखते थे। यह टिप्पणी रजनीकांत द्वारा स्पष्ट करने के एक दिन बाद आई है कि उन्होंने योगी के पैर छुए क्योंकि संन्यासी या योगी के पैरों पर गिरना उनकी आदत थी, चाहे वह व्यक्ति किसी भी उम्र का हो। कांग्रेस नेता ने कहा, सीएम योगी को भविष्य में प्रधानमंत्री के रूप में देखने पर बहस हो रही है। अन्यथा, अभिनेता रजनीकांत ने प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह शिष्टाचार नहीं दिखाया था।

राज ने कहा कि उन्हें सीएम योगी में भावी प्रधानमंत्री की झलक दिख रही है। दरअसल रजनीकांत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आलोचना का जवाब देकर कहा, योगियों या संन्यासियों के पैर छूना और उनका आशीर्वाद लेना मेरी आदत है, भले ही वे मुझसे छोटे हों, मैंने यही किया है। पिछले हफ्ते अपनी मुलाकात के दौरान रजनीकांत ने योगी आदित्यनाथ का नमस्ते करके स्वागत किया और फिर उनके पैर छुए। इस भाव-भंगिमा की सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से आलोचना की गई, कई लोगों ने पूछा कि क्या 72 वर्षीय अभिनेता के लिए बहुत छोटे यूपी सीएम के पैर छूना ठीक था?

अभिनेता रजनीकांत ने अयोध्या में राम मंदिर और हनुमानगढ़ी में पूजा-अर्चना की। रजनीकांत ने मंदिर में विशेष पूजा की और भव्य राम मंदिर के निर्माण कार्य का अवलोकन भी किया। अयोध्या में रजनीकांत का स्वागत मंडलायुक्त गौरव दयाल, पुलिस महानिरीक्षक प्रवीण कुमार और नगर आयुक्त विशाल सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने किया। रजनीकांत ने कहा, मैं लंबे समय से यहां आना चाहता था। मैं भाग्यशाली हूं कि यह इच्छा पूरी हुई। उन्होंने कहा कि मंदिर का निर्माण कार्य देखकर उन्हें बहुत खुशी हुई। रजनीकांत ने कहा, अगर भगवान ने चाहा तब मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद मैं दोबारा आऊंगा। राम मंदिर में मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास ने रजनीकांत को एक अंग वस्त्र भेंट किया जिसपर राम मंदिर का मॉडल छपा है और रामनाम लिखा हुआ है।

हिमाचल, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में भारी वर्षा की संभावना: आईएमडी

– अगले दो–तीन दिनों में पूर्वी राजस्थान और मध्य प्रदेश में भी भारी वर्षा का पूर्वानुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि अगले पांच दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत और सिक्किम में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। जबकि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में भारी वर्षा की संभावना है। वहीं अगले दो-तीन दिनों में पूर्वी राजस्थान और मध्य प्रदेश में भारी वर्षा का पूर्वानुमान है। मौसम एजेंसी ने अपने बुलेटिन में कहा कि उत्तर पश्चिम भारत में हल्की से मध्यम वर्षा के साथ आंधी और बिजली गिरेगी। मंगलवार से शुक्रवार तक हिमाचल प्रदेश में, सोमवार से शुक्रवार तक उत्तराखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में, सोमवार से गुरुवार तक पश्चिमी उत्तर प्रदेश में, सोमवार से मंगलवार तक पूर्वी राजस्थान में और मंगलवार को उत्तरी हरियाणा-चंडीगढ़ में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने यह भी पूर्वानुमान जताया है कि सोमवार से गुरुवार तक उत्तराखंड, बुधवार और गुरुवार को हिमाचल प्रदेश, मंगलवार और बुधवार को उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

मध्य भारत में हल्की से व्यापक वर्षा के साथ तूफान और बिजली गिरने के आसार हैं। पश्चिमी मध्य प्रदेश में बुधवार तक और पूर्वी मध्य प्रदेश में मंगलवार और बुधवार को भारी वर्षा होने की संभावना है।पूर्व में मध्यम से व्यापक वर्षा के साथ तूफान और बिजली गिरेगी। अगले पांच दिनों के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, गुरुवार और शुक्रवार को गंगीय पश्चिम बंगाल में, बुधवार से शुक्रवार तक ओडिशा और झारखंड में, और मंगलवार से शुक्रवार तक बिहार में भारी वर्षा की संभावना है। पूर्वोत्तर भारत में अगले पांच दिनों के दौरान हल्की से व्यापक वर्षा के साथ बिजली गिरने की संभावना है। साथ ही क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि असम और मेघालय में सोमवार से शुक्रवार तक और अरुणाचल प्रदेश में बुधवार से शुक्रवार तक बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। दक्षिण में हल्की से काफी व्यापक वर्षा के साथ तूफान और बिजली गिरेगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

सचीन में सुरत मनपा की मेहरबानी
सब का साथ,सब का विकास

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, सुरत मनपा ज़ोन उधना ज़ोन- बी बनाने के बाद सब का साथ सब का विकास की निति से चल रहा विकास कार्य, जिसमें सूत्रों के अनुसार विकास के नाम पर बिल्डरों का विकास हो रहा हैं साथ ही अधिकारीयों का साथ होने से किसी प्रकार की भय न होने से सब का साथ सब का विकास होते हुए उधना ज़ोन -बी संपूर्ण रूप से विकसित होते हुए नजर आ रहा हैं,

लेकिन साथ ही यह भी लोगों में चर्चाएँ होते हुए नजर आ रहा हैं की जब नगर सेवक की मेहरबानी होने से अधिकारीयों में कार्यालय से बैठकर ही अपने गुगल मेप के जरिये ही कार्यवाही पूर्ण कर देते हैं, लेकिन साथ ही भगवान की प्रसादी का लाभ भी मिल कर खाया जा रहा हैं कर्मचारी को नाम मात्र सूचनात्मक कार्यवाही करने के लिए बोला जा रहा हैं, जिसका नूमना इस तस्वीर में स्पष्टदिखाई दे रहा हैं.

लंदन में लापता अहमदाबाद के युवक का शव मिला
आर्थिक समस्या से तंग आकर आत्महत्या की आशंका

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

लंदन में लापता अहमदाबाद के पाटीदार युवक का शव बरामद हुआ है। पढाई के लिए अहमदाबाद से लंदन गया कुश पटेल नामक युवक 10 अगस्त से लापता था, जिसका शव लंदन ब्रिज के निकट से मिलने की खबर के बाद अहमदाबाद स्थित परिवार में शोक व्याप्त है। कुश पटेल का शव पानी में इस कदर गल गया था कि उसकी पहचान करना मुश्किल था। बायोमेट्रिक और डीएनए टेस्ट के आधार पर शव की कुश पटेल के तौर पर पहचान की गई है। आशंका है कि आर्थिक समस्या से तंग आकर कुश पटेल ने ब्रिज से कुदकर जान दे दी। पूर्वी अहमदाबाद के नया नरोडा क्षेत्र में रहनेवाला कुश पटेल पिछले साल 2022 में स्टूडन्ट विजा पर लंदन गया थाऔर वहां की यूनिवर्सिटी में बिजनस मैनेजमेंट कोर्ष के लिए एडमिशन लिया था। गत 10 अगस्त से कुश पटेल लापता था और उसका कोई संपर्क नहीं हुआ। बेटे के लापता होने पर माता-पिता की चिंता बढ़ गई। उन्होंने कुश के रूम मेट के साथ भी बातचीत की। लेकिन उसे भी कुश के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। कुश के अभिभावक ने लंदन की वेम्बली पुलिस थाने में बेटे के लापता होने की शिकायत दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर लंदन पुलिस ने कुश की खोजबीन शुरूकी और 19 अगस्त की रात लंदन ब्रिज के निकट से उसका शव बरामद हुआ। बेटे की मौत की खबर सुनकर परिवार टूट गया। जिसे पढ़ने के लिए लंदन भेजा था, उसकी मौत ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया। परिवार ने एक तो बेटा गंवा दिया और दूसरी आर्थिक बोझ उठाने में सक्षम नहीं है। कुश पटेल ही अपने परिवार का आधार था। पिता को शारीरिक तकलीफ है और माता भी हाउस वाइफ है। दादी की पैंशन से घर चलता है। आशंका है कि आर्थिक समस्या से तंग आकर कुश पटेल ने लंदन में आत्महत्या कर ली। फिलहाल उसका शव अहमदाबाद लाने की कोशिशें जारी है।

शराब के नशे में धुत्त
कार चालक ने महिला को मारी टक्कर
पुलिस पुत्र होने की खबर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गांधीनगर , शहर की सत्याग्रह छावनी के निकट शराब के नशे में धुत्त कार चालक ने एक महिला को टक्कर मार दी। कार चला रहा शख्स पुलिसकर्मी का बेटा होने की खबर है। पुलिस ने कार चालक हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक गांधीनगर की सत्याग्रह छावनी के निकट तेज रफ्तार कार ने एक महिला को टक्कर मार दी। घटना के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई और कार चला रहे शख्स को बाहर निकाला। कार से बाहर आते ही शख्स वहां जमा लोगों के साथ गालीगलौज करने लगा। शख्स ने कहा कि वह पुलिस विभाग में मेरा कोई कुछ भी बिगाड़ नहीं सकता। प्रत्यक्षदर्शियों की मुताबिक कार चालक शराब के नशे में इतना धुत्त था कि वह जमीन पर ठीक से खड़ा भी नहीं हो पा रहा था। कार भी किसी पुलिसकर्मी की थी और शख्स खुद को पुलिसकर्मी का बेटा बता रहा था। फिलहाल पुलिस ने कार चालक को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरूकी है।

ध्रोल में कक्षा 6 का छात्र अचानक हुआ बेहोश, अस्पताल में डोक्टर ने मृत घोषित किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

जामनगर , जामनगर के ध्रोल से चौंकानेवाली घटना सामने आई है। कक्षा 6 में पढ़ाई करनेवाला व्रज सोरठिया नामक विद्यार्थी अचानक बेहोश हो गया। बेहोशी की हालत में उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डोक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सैनिक स्कूल की तैयारी करने के लिए व्रज सोरठिया ध्रोल में शिक्षक के यहां रहता था। फिलहाल विद्यार्थी को शव को फोरेंसिक पोस्टमार्टम के लिए राजकोट भेजा गया है।

पोस्टमार्टम के बाद ही व्रज सोरठिया की मौत की असली वजह सामने आएगी। छोटी उम्र में व्रज की मौत से उसके परिवार में शोक व्याप्त है।

नाबालिग लड़की पर धर्म परिवर्तन का दबाव डालने वाले पादरी को 3 साल की सजा,10 हजार का जुर्माना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

यहां के सत्र न्यायायलय ने 17 साल की नाबालिग लड़की को ब्लैकमेल कर उस पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने वाले पादरी को ३ साल की सजा सुनाई है। साथ ही पादरी पर रु 10000 का जुर्माना भी लगाया है। गुजरात में किसी पादरी को सजा की पहली घटना है।

क्या पूरा मामला ?

अहमदाबाद के अमराईवाडी क्षेत्र की निवासी 17 वर्षीय नाबालिग लड़की पड़ौस में रहनेवाले एक महिला के जरिए गुलाबन परीखन मसीह नामक पादरी के संपर्क में आई थी। नाबालिग लड़की से दोस्ती के बाद पादरी उसके घर आना जाना शुरूकर दिया और इसाई धर्म की बात करने लगा। वॉट्सएप नंबर का आदान-प्रदान होने के बाद पादरी और लड़की के बीच बातचीत शुरू हो गई। पादरी वॉट्सएप पर लड़की को आई लव यू के मैसेज करने लगा। इतना ही नहीं पादरी लड़की को वीडियो कॉल करता और उसे कपड़े उतारने को कहता। पादरी की बातों में आकर लड़की ने कपड़े उतारे तो उसका स्क्रीन शोट ले लिया। पादरी का असली खेल यहीं से शुरू हुआ और उसने लड़की को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। पादरी लड़की को हिन्दू धर्म छोडकर इसाई धर्म अपनाने का दबाव डालने लगा। लड़की ने जब इंकार कर दिया तो पादरी ने उसेक परिवार को परेशान करने लगा। हांलाकि पादरी के लाख प्रयासों के बाद भी जब परिवार ने इसाई धर्म अपनाने से इंकार कर दिया तब पादरी ने नाबालिग लड़की की अभद्र तस्वीलें वायरल कर दीं। जिसके बाद परिवार ने पादरी गुलाबन परीखन मसीह के खिलाप पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करवा दी। अहमदाबाद की सत्र अदालत ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए पादरी गुलाबन परीखन मसीह को दोषी ठहराते हुए 3 साल की सजा सुनाई। साथ ही रु 10000 का जुर्माना भी लगाया।

युवती को शादी की लालच देकर युवक भगा ले गया, चलती बस में किया दुष्कर्म

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राजकोट,गोंडल की एक युवती को सोशल मीडिया के जरिए युवक के दोस्ती करना महंगी पड़ गई। युवक ने शादी की लालच दी और उसे सूरत भगा ले गया। रास्ते में चलती बस में युवती के साथ दुष्कर्म किया। युवती जब युवक घर पहुंची तब उसकी माता पीड़िता की जाति को लेकर उसे अपमानित किया। जिसके बाद युवती ने युवक के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार मामलेकी जाच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक राजकोट जिले में गोंडल शहर के वोरकोटडा रोड पर पंचपीर धार क्षेत्र में रहनेवाली एक युवती सोशल मीडिया के जरिए सागर कुकडिया नामक युवक के संपर्क में आई थी। गत 13 तारीख को सागर कुकडिया शादी की लालच देकर युवती को भगा ले गया। सागर ने युवती से कहा कि सूरत में उसके रिश्तेदार रहते हैं जो शादी की पूरी व्यवस्था कर देंगे। सागर पर भरोसा कर युवती के साथ निकल पड़ी। गोंडल से निकलकर दोनों राजकोट पहुंचे और वहां से प्राइवॉ ट्रावेल्स की बस में सूरत के लिए रवाना हो गए। रास्ते में युवक ने चलती बस में युवती के साथ दुष्कर्म किया। सूरत पहुंचने पर रिश्तेदार से संपर्क नहीं होने पर सागर युवती को लेकर चोटीला पहुंच गया। चोटीला में सागर के दोस्त ने फोन नहीं उठाया। दूसरी ओर गोंडल से सागर के भाई को फोन आया, जिसने उसे घर लौटने को कहा। सागर युवती को लेकर गोंडल स्थित अपने घर पहुंच गया। जहां सागर की माता ने युवती की जाति को लेकर उसे अपमानित किया और कहा कि यह शादी संभव नहीं है। जिसके बाद पीड़ित युवती ने पुलिस थाने में सागर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरूकी है।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com